RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 176 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 21-01-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

मुख्यमंत्री
जन आवास योजना

RERA REG. NO.: RAJ/P/2025/4228
https://rera.rajasthan.gov.in/

जयपुर में आवासीय फ्लैट्स

के द्वितीय चरण हेतु लॉटरी द्वारा आवंटन

वाटिका इन्फोटेक सिटी,
अजमेर रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री जन आवास योजना-3A

के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित एवं रेरा में पंजीकृत नितल इंफ्रा प्रोजेक्ट्स एलएलपी द्वारा विकसित आवासीय योजना

90% तक लोन उपलब्ध

विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल

केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों, कॉर्पोरेट्स एवं प्रवासी राजस्थानवासियों के लिए 1 लाख रुपये तक की विशेष छूट।

नितल

स्टूडियो और 3 बीएचके अपार्टमेंट

आवेदन की अंतिम तिथि
24 जनवरी, 2026

उपलब्ध फ्लैट	पंजीकरण राशि	मूल कीमत
स्टूडियो फ्लैट	₹66,000	₹23.0 लाख*
3 BHK फ्लैट	₹96,000	₹44.0 लाख*

आवेदन हेतु SCAN करें
www.nitalcmjanawas.in

9785 30 7000
9772 51 1112

विकासकर्ता -
नितल इंफ्राप्रॉजेक्ट्स एलएलपी

*Terms & Conditions Apply

कश्मीरी पंडितों के बिना घाटी अधूरी है, लोग उनके लौटने का इंतजार कर रहे हैं : महबूबा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को कहा कि कश्मीरी पंडितों के बिना कश्मीर अधूरा है और घाटी के लोग बेसब्री से उनकी वापसी का इंतजार कर रहे हैं।पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि कश्मीरी पंडितों के लिए विधानसभा की दो सीटें आरक्षित करना बेहतर होगा।

महबूबा ने गांधी नगर स्थित पीडीपी मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा, कश्मीरी पंडितों को अपना फैसला खुद लेना होगा। हम उनकी वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं क्योंकि उनके बिना घाटी अधूरी है।वह कश्मीरी पंडितों के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रही थीं जिनके घाटी से पलायन के 36 साल 19 जनवरी को पूरे हो गए और अपनी वापसी व पुनर्वास के लिए पिछले दो दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।पीडीपी प्रमुख ने कहा कि उन्होंने हाल में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की और उन्हें बताया कि विधानसभा में समुदाय के दो सदस्यों को मनोनीत करने के बजाय वे सीटें उनके लिए आरक्षित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, उन्हें आने दीजिए, चुनाव लड़ने दीजिए। वे वोट मांगेंगे और मुसलमान उन्हें वोट देंगे। इसी तरह समुदाय एकजुट होंगे। उन्होंने कहा, वे हमारे भाई हैं, और हम चाहते हैं कि वे सम्मान के साथ लौटें और हमारे साथ मिलकर रहें ताकि कश्मीर पूर्ण हो सके।मुफ्ती ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी का एकमात्र एजेंडा संवाद और विकास के माध्यम से जम्मू कश्मीर में शांति और समृद्धि की बहाली और इसके क्षेत्रों की एकता है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने पीर पंजाल और चिनाब घाटी को संभागीय दर्जा देने के उनके प्रस्ताव को डिक्सन योजना से जोड़ने के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) और भाजपा की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह मांग पूरी तरह से प्रशासनिक है और इसका उद्देश्य उपेक्षित क्षेत्रों का संतुलित विकास और बेहतर शासन सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा, पीडीपी का केवल एक ही एजेंडा है -- जम्मू कश्मीर में गरिमा और सम्मान के साथ शांति बहाल करना। आपसी संवाद होना चाहिए, जैसा कि अटल बिहारी वाजपेयी के शासनकाल में (पीडीपी संस्थापक) मुफ्ती मोहम्मद सईद ने दिखाया था, जब जम्मू कश्मीर के भीतर और पाकिस्तान के साथ भी संवाद किया गया था।

पीर पंजाल (राजौरी और पुंछ) तथा चिनाब घाटी (रामबन, डोडा और किश्तवाड़) को संभागीय दर्जा देने के उनके प्रस्ताव को नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला द्वारा 'डिक्सन' योजना से जोड़े जाने पर मुफ्ती ने कहा कि वह उनका सम्मान करती हैं और उन्हें जम्मू कश्मीर का सबसे बड़ा नेता मानती हैं, लेकिन मुझे लगता है कि वह भूल गए हैं कि उनके पिता शेख मोहम्मद अब्दुल्ला को इसी फॉर्मूले के लिए गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कहा, यह नेशनल कॉन्फ्रेंस और उसके संस्थापक का एजेंडा हो सकता है, जिसके लिए उन्हें बर्खास्त किया गया और जेल भेजा गया। यह कभी भी हमारी पार्टी का एजेंडा नहीं हो सकता।

'डिक्सन' योजना एक ऐसा फार्मूला था जिसे सितंबर 1950 में संयुक्त राष्ट्र के प्रतिनिधि और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधान न्यायाधीश सर ओवेन डिक्सन ने प्रस्तावित किया था, जिसका उद्देश्य भारत और पाकिस्तान के बीच जम्मू कश्मीर मुद्दे का समाधान करना था।

महबूबा ने भाजपा पर आरोप लगाया, उन्होंने लद्दाख को (2019 में) अलग करके महाराजा के पूर्ववर्ती राज्य को पहले ही नष्ट कर दिया है और जम्मू के लिए अलग राज्य की मांग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, हम पीर पंजाल और चिनाब घाटी का कश्मीर में विलय नहीं करना चाहते, बल्कि जनता के हित में इन दोनों क्षेत्रों के लिए अलग-अलग संभाग का दर्जा चाहते हैं। भाजपा ने डिक्सन योजना को उस वक्त लागू करना शुरू किया जब उन्होंने दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग संसदीय क्षेत्र की सीमाओं को फिर से निर्धारित करते हुए उसमें पुंछ और राजौरी को शामिल कर लिया।

कलश यात्रा

हरिद्वार में मंगलवार को आदिवासी समुदाय के लोग हरिद्वार में गायत्री तीर्थ शांतिकुंज के शताब्दी समारोह के मौके पर 'कलश यात्रा' में हिस्सा लेते हुए।

गुजरात ने भारत को गांधी, पटेल और मोदी के रूप में तीन महान शख्सियतें दीं : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने मंगलवार को कहा कि गुजरात ने भारत को महात्मा गांधी, सरदार वल्लभ भाई पटेल और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रूप में तीन महान शख्सियतें दी हैं।

उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि किसी व्यक्ति का अच्छा या बुरा होना जन्म से नहीं, बल्कि उसके चरित्र से निर्धारित होता है।

एक बयान के अनुसार, उपराष्ट्रपति ने यहां ऐतिहासिक गांधी आश्रम में हरिजन सेवक संघ के दौरे के दौरान महादेव देसाई पुस्तकालय विस्तार का उदघाटन किया और व्यक्ति व समाज के बीच पारस्परिक संबंध पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि लोग अक्सर अपने निर्माण में समाज की भूमिका को नज़रअंदाज़ कर देते हैं, लेकिन हर व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह समाज को कुछ लौटाए। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि समाज की सेवा करना न केवल एक नैतिक दायित्व है, बल्कि राष्ट्र निर्माण का भी मार्ग है।

राधाकृष्णन ने राष्ट्र के प्रति गुजरात के योगदान की सराहना की और उन तीन महान शख्सियतों के लिए आभार व्यक्त किया, जो गुजरात ने भारत को दिए हैं महात्मा गांधी जिन्होंने राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया, सरदार वल्लभभाई पटेल जिन्होंने राष्ट्रीय एकता के लिए काम किया, और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, जिन्होंने देश के विकास के लिए योगदान दिया।

बयान में कहा गया है कि उपराष्ट्रपति ने आश्रम के भीतर स्थित कस्तूरबा संग्रहालय का भी दौरा किया, जहां महात्मा गांधी और कस्तूरबा गांधी 1930 और 1940 के दशक में दिल्ली की अपनी यात्राओं के दौरान रुके थे।

इस यात्रा को बेहद भावनात्मक बताते हुए, राधाकृष्णन ने कहा कि कस्तूरबा गांधी द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला साधारण घर और रसोईघर समेत आश्रम के अन्य हिस्से देखना भारत के नेताओं द्वारा बिताए गए सादगीपूर्ण जीवन की सशक्त याद दिलाता है।

रुपया सात पैसे टूटकर 90.97 प्रति डॉलर के अब तक के सबसे निचले स्तर पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। रुपया मंगलवार को सात पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.97 (अस्थायी) के अब तक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ। धातु आयातकों से डॉलर की मजबूत मांग और लगातार विदेशी पूंजी की निकासी से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक अनिश्चितता ने जोखिम से बचने की प्रवृत्ति को बढ़ा दिया है और उभरते बाजारों की मुद्राओं पर दबाव बनाए रखा है। इसके अलावा, विदेशी पूंजी की निकासी के कारण घरेलू शेयर बाजार में सुस्ती भी इसकी एक वजह रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.91 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91.06 पर पहुंच गया। अंत में 90.97 (अस्थायी) प्रति डॉलर के अब तक के निचले स्तर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की गिरावट है।

रुपया सोमवार को 12 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.90 पर बंद हुआ था। रुपया इससे पहले 16 दिसंबर 2025 को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.93 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था।

मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति एवं विदेशी निवेशकों (एफआईआई) की लगातार निकासी से रुपया नकारात्मक रुख के साथ कारोबार करता रहा और कारोबार के दौरान 91 के स्तर से नीचे फिसल गया। हालांकि, कमजोर डॉलर और भारतीय रिजर्व बैंक के हस्तक्षेप ने रुपए की तीव्र गिरावट को रोका। चौधरी ने बताया कि ग्रीनलैंड पर अमेरिका के रुख को लेकर विदेशी पूंजी की निकासी और वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति से रुपए में नकारात्मक रुख रहने के आसार हैं। उन्होंने कहा, व्यापार समझौते की बातचीत को लेकर अनिश्चितता रुपए पर दबाव डाल सकती है। हालांकि, कमजोर डॉलर और केंद्रीय बैंक के किसी भी हस्तक्षेप से रुपए को निचले स्तर पर समर्थन मिल सकता है। डॉलर के मुकाबले रुपए के हाजिर भाव के 90.70 से 91.25 के बीच रहने का अनुमान है। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.91 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.48 पर रहा।घरेलू शेयर बाजार के मोर्चे पर सेंसेक्स 1,065.71 अंक टूटकर 82,180.47 अंक पर जबकि निफ्टी 353 अंक फिसलकर 25,232.50 अंक पर बंद हुआ।अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 63.94 डॉलर प्रति बैरल रहा।शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) सोमवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 3,262.82 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

सोना पहली बार 1.5 लाख रुपए के पार, चांदी 20,400 रुपए उछली

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को सोना मजबूत मांग आने से 5,100 रुपए की छलांग लगाते हुए पहली बार 1.5 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया जबकि चांदी ने 20,400 रुपए के उछाल के साथ नया रिकॉर्ड बना दिया।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने कहा कि सोना दिल्ली में 5,100 रुपए की बढ़त के साथ 1,53,200 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी कर सहित) पर पहुंच गया। इसके साथ ही सोने ने 1.5 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम का अहम मनोवैज्ञानिक स्तर भी पार कर लिया। सोना सोमवार को 1,48,100 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। चांदी की कीमतों ने भी स्थानीय सर्राफा बाजार में मजबूती दिखाते हुए नया उच्चतम स्तर छू लिया। सफेद धातु 20,400 रुपए यानी लगभग सात प्रतिशत बढ़कर 3,23,000 रुपए प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) पर पहुंच गई।

सोमवार को चांदी की कीमतों में 10,000 रुपए की तेजी देखी गई थी, जिससे यह तीन लाख रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर को पार कर गई थी। विदेशी बाजारों में भी सोना और चांदी की मांग में तेजी रही। फॉरेक्स डॉटकॉम के आंकड़ों के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना पहली बार 4,700 डॉलर प्रति औंस का स्तर के पार पहुंचा। सोने में 66.38 डॉलर यानी 1.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ कीमत 4,737.40 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी हाजिर चांदी ने नया रिकॉर्ड बनाया और 95.88 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। विश्लेषकों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, सुरक्षित निवेश की मांग और आभूषणों एवं निवेशकों से आने वाली लगातार मांग के कारण कीमती धातुओं में यह तेजी देखी जा रही है।

वृद्धि रफ्तार कायम रखने के लिए ट्रकों की नई श्रृंखला से उम्मीदें : टाटा मोटर्स सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जीएसटी दरों में कटौती के बाद वाणिज्यिक वाहनों की मांग में आई तेजी का लाभ उठाने के मकसद से टाटा मोटर्स लिमिटेड इलेक्ट्रिक और डीजल इंजन दोनों श्रेणियों में 17 ट्रकों का नया पोर्टफोलियो लेकर आई है। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी गिरीश वाघ ने मंगलवार को यह जानकारी दी। टाटा समूह की वाणिज्यिक वाहन कंपनी टाटा मोटर्स लिमिटेड के प्रमुख ने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कहा कि कंपनी अब इलेक्ट्रिक ट्रकों को अधिक वहन क्षमता के साथ पेश कर इस खंड में भी अपना विस्तार कर रही है। उन्होंने कहा कि जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाए जाने के बाद अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में वाणिज्यिक वाहन उद्योग में स्पष्ट सुधार देखा गया है।

वाघ ने कहा, सितंबर तिमाही से दिसंबर तिमाही के बीच इस उद्योग के कुल पंजीकरण में 25.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि टाटा मोटर्स की बिक्री मात्रा करीब 29.4 प्रतिशत बढ़ी है। उन्होंने कहा कि कंपनी इस सकारात्मक रुझान का फायदा उठाने के लिए अगली पीढ़ी के 17 ट्रकों की नई शृंखला पेश कर रही है, जिसमें 'आई-मोएव' (इंटेलिजेंट मॉड्यूलर इलेक्ट्रिक व्हीकल) संरचना पर आधारित इलेक्ट्रिक ट्रक भी शामिल हैं।

कंपनी कम दूरी वाले इलेक्ट्रिक आपूर्ति खंड में पहले से मौजूद है और अब भारी श्रेणी के इलेक्ट्रिक ट्रकों की तरफ अपना विस्तार कर रही है। इलेक्ट्रिक ट्रकों के बारे में वाघ ने कहा कि सात टन से लेकर 55 टन तक की क्षमता वाले टाटा ट्रक्स डॉट ईवी पिछले कुछ वर्षों में ग्राहकों के साथ मिलकर विकसित किए गए हैं और अब तक 3.5 लाख किलोमीटर से अधिक का परीक्षण पूरा कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि ये इलेक्ट्रिक ट्रक इस्पात, सीमेंट, रसायन, ई-कॉमर्स और वाहन कलपुर्जा जैसे क्षेत्रों को चरणबद्ध तरीके से अपने लॉजिस्टिक आधार को कार्बन-मुक्त करने में मदद करेंगे। इसके साथ ही कंपनी ने मध्यम एवं हल्के वाणिज्यिक वाहन खंड में नई डीजल इंजन शृंखला 'अजुरा' को भी पेश किया जो ग्राहकों को अधिक भार-वहन क्षमता, बेहतर ईंधन दक्षता और उन्नत सुरक्षा के जरिये बेहतर लाभप्रदता प्रदान करेगी। कंपनी ने तीसरी तिमाही में 1,15,577 वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री की जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 95,770 इकाइयों से 21 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ ही टाटा मोटर्स की वाणिज्यिक वाहन बाजार में कुल हिस्सेदारी बढ़कर 35.7 प्रतिशत हो गई, जबकि 28 टन से अधिक श्रेणी के भारी वाणिज्यिक वाहनों में हिस्सेदारी करीब 56.7 प्रतिशत रही।

अंतरिक्ष डेटा केंद्रों के लिए अगला बड़ा स्थान होगा : सिस्को

दावोस/भाषा। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी सिस्को के अध्यक्ष एवं मुख्य उत्पाद अधिकारी जीतू पटेल ने कहा कि कृत्रिम मेधा और उन्नत कंप्यूटिंग के कारण विशाल डेटा केंद्रों की बढ़ती मांग को देखते हुए दुनिया को बहुत जल्द अंतरिक्ष में डेटा केंद्र देखने को मिलेंगे।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक से इतर 'पीटीआई-भाषा' के साथ बातचीत में पटेल ने कहा कि हरित डेटा सेंटर जल्द ही बेहद महत्वपूर्ण होने वाले हैं लेकिन अगले कुछ वर्ष में बिजली जैसी बुनियादी ढांचे की बाधाओं से निपटने के लिए अंतरिक्ष में डेटा सेंटर बनते देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा कि डेटा सेंटर की बात करें तो शीतलन की जरूरत बहुत अधिक होती है क्योंकि एक 'रैक' के कुल वजन का करीब 90 प्रतिशत हिस्सा शीतलन अवसंरचना का होता है।पटेल ने कहा, अंतरिक्ष में सौर ऊर्जा की तीव्रता पृथ्वी की तुलना में कहीं अधिक होती है, जिससे शीतलन की लागत और आर्थिक अनुपात यहां की तुलना में बिल्कुल अलग स्तर पर हो सकते हैं। उन्होंने कहा, ऊर्जा की उपलब्धता भी अधिक होती है, इसलिए उनके अनुसार साथ-साथ अंतरिक्ष में भी डेटा सेंटर विकसित किए जाएंगे।

सिस्को के अध्यक्ष ने साथ ही मानव इतिहास में कृत्रिम मेधा (एआई) को सबसे बड़ा वैश्विक बदलाव बताते हुए कहा कि यह हमारे जीवन जीने के तरीके को बदल देगी लेकिन कुछ बाधाएं हैं जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है।पटेल ने कहा कि एआई से हर नौकरी का स्वरूप बदल जाएगा और हर कार्यप्रवाह में परिवर्तन आएगा। उन्होंने हालांकि आगाह किया कि अधिकतर लोग अल्पावधि में इन प्रौद्योगिकियों के प्रभाव को बहुत अधिक आंकते हैं, जबकि दीर्घावधि में वे इसे बहुत कम आंकते हैं।पटेल ने तीन प्रमुख बाधाओं बुनियादी ढांचा, विश्वास और डेटा की कमी का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, पहली बाधा यह है कि हमारे पास पर्याप्त बुनियादी ढांचा नहीं है, कृत्रिम मेधा की जरूरतों को पूरा करने के लिए दुनिया में पर्याप्त बिजली, कंप्यूटिंग एवं नेटवर्क बैंडविड्थ नहीं है। दूसरी बड़ी बाधा भरोसे की कमी है। भरोसे की कमी से मेरा मतलब यह है कि अगर आप इन प्रणालियों पर भरोसा नहीं कर सकते, तो आप इनका उपयोग नहीं करेंगे। इसलिए सुरक्षा इन प्रणालियों को अपनाने के लिए अनिवार्य शर्तें बन जाती हैं। पटेल ने कहा, फिर तीसरी बाधा हम डेटा की कमी को मानते हैं क्योंकि अब तक इन कृत्रिम मेधा मॉडल को मानव-निर्मित डेटा पर प्रशिक्षित किया गया है जो इंटरनेट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है। हालांकि इसके बावजूद इंटरनेट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध मानव-निर्मित डेटा की कमी होने लगी है।

आवेदन

गुवाहाटी में मंगलवार को कांग्रेस नेता रेकीबुद्दीन अहमद अपने समर्थकों के साथ असम विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी टिकट के लिए आवेदन देने के लिए राजीव भवन पहुंचे।

भाजपा में अध्यक्ष की घोषणा पहले, फिर चुनाव का ऐलान, लेकिन वह भी नहीं हुआः कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने नितिन नवीन को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का नया अध्यक्ष घोषित किए जाने के बाद सत्तारूढ़ दल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अध्यक्ष की घोषणा पहले कर दी गई और फिर चुनाव का ऐलान किया गया, लेकिन वह भी नहीं हुआ।

पार्टी के मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने कटाक्ष करते हुए यह भी कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार अब इस्तीफा देना चाहते हैं क्योंकि भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में उनकी कोई भूमिका नहीं रही और चुनाव को प्रभावित करने का का मौका भी नहीं मिला।

नितिन नवीन को मंगलवार को औपचारिक रूप से भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित कर दिया गया। उन्होंने जेपी नड्डा का स्थान लिया है।

इस बारे में पूछे जाने पर खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, चुनाव कहां हुआ है, इसे चुनाव क्यों कहा जाए? आपने अध्यक्ष पहले घोषित कर दिया और फिर कहा कि चुनाव होगा, लेकिन चुनाव नहीं हुआ। ज्ञानेश कुमार गुप्ता इसके विरोध में इस्तीफा देना चाहते हैं क्योंकि उनकी कोई भूमिका नहीं है, वह कुछ प्रभावित नहीं कर सके, कुछ हेरफेर नहीं कर सके। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की आंखों से आंसू निकल रहे हैं और प्रधानमंत्री एवं भाजपा के लोग 'बिग बॉस' का गेम खेल रहे हैं।

दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी ने नवीन को भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी और कहा कि पार्टी से संबंधित मामलों में यह युवा नेता उनका 'बॉस' होगा।

RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 176 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 21-01-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

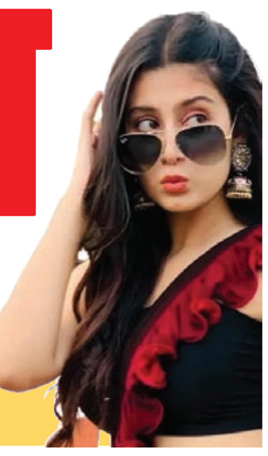

5 आलाकमान के बुलावे पर दिल्ली जाऊंगा : सिद्दरामय्या

6 ग्रीन लैंड : ट्रंप का बाल हठ या राज हठ...?

7 'इश्कां दे लेखे' मेरे लिए एक सपना है : ईशा मालवीय

फर्स्ट टेक

उडुपी के श्री कृष्ण मठ ने ड्रेस कोड लागू किया

उडुपी (कर्नाटक)/भाषा। कर्नाटक में उडुपी स्थित श्री कृष्ण मठ ने एक सख्त ड्रेस कोड लागू किया है, जिसके तहत पुरुष श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश करने से पहले अपनी कमीज उतारनी पड़ेगी, जबकि महिलाओं को ''शालीन और पारंपरिक परिधान'' में आना होगा। परयाया शिरूर मठ द्वारा जारी यह निर्देश सोमवार, 19 जनवरी से प्रभावी हो गया है। पूर्व में, पुरुषों के लिए बिना कमीज पहने पूजा करने का नियम सिर्फ पूर्वाह्न 11 बजे से पहले होने वाली महापूजा में शामिल होने वालों पर लागू था।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बागी हुए जो

बैठ गए चुप वे सारे क्यों,
जो नूतन कहने वाले थे।
दूर हो गए आज अचानक,
जो हमदम रहने वाले थे।
मार गया उनको लकवा जो,
हवा संग बहने वाले थे।
कर डाला विद्रोह उन्हींने,
जो सब कुछ सहने वाले थे।।

'अवैध प्रवासी और शहरी नक्सली राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा'

- दुनिया भर में कोई भी अवैध प्रवासियों को स्वीकार नहीं करता। यह आवश्यक है कि उनकी पहचान की जाए और उन्हें उनके देशों में वापस भेजा जाए।
- भारत कभी भी अवैध प्रवासियों को अपने लोगों और गरीबों से संबंधित सेवाओं को लूटने की अनुमति नहीं देगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अवैध प्रवासन को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा बताते हुए मंगलवार को कहा कि ऐसे लोगों की पहचान करके उन्हें उनके संबंधित देशों में वापस भेजा जाना चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय में नितिन नवीन (45) को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किए जाने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने शहरी नक्सलियों और जनसंख्या असंतुलन को भी देश के सामने महत्वपूर्ण चुनौतियों के रूप में बताया।

मोदी ने कहा कि कुछ अमीर और ताकतवर देश, जो खुद को दुनिया का मालिक समझते हैं, अवैध प्रवासियों की पहचान कर उन्हें देश से निकाल रहे हैं, और कोई उनके काम पर सवाल नहीं उठा रहा।

प्रधानमंत्री ने कहा, ये देश लोकतंत्र का झंडा लहराते हैं और खुद को दुनिया का मालिक समझते हैं। दुनिया भर में कोई भी अवैध प्रवासियों को स्वीकार नहीं करता। यह आवश्यक है कि उनकी पहचान की जाए और उन्हें उनके देशों में वापस भेजा जाए। मोदी ने कहा, भारत कभी भी अवैध प्रवासियों को अपने लोगों और गरीबों से संबंधित सेवाओं को लूटने की अनुमति नहीं देगा।

प्रधानमंत्री ने कुछ राजनीतिक दलों पर वोट बैंक की राजनीति के हित में अवैध प्रवासियों को संरक्षण देने और उन्हें पनाह देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, हमें उनका पर्दाफाश करना होगा और उन्हें जनता के सामने बेनकाब करना होगा।

भारी गिरावट से निवेशकों के 9.86 लाख करोड़ डूब गए

नई दिल्ली/भाषा। वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव के बीच घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को भारी गिरावट आने से निवेशकों के 9.86 लाख करोड़ रुपए डूब गए। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 1,065.71 अंक यानी 1.28 प्रतिशत फिसलकर 82,180.47 अंक पर बंद हुआ। इस चौतरफा बिकवाली से बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार मूल्यांकन 9,86,093.96 करोड़ रुपए घटकर 4,55,82,683.29 करोड़ रुपए यानी 5.01 लाख करोड़ डॉलर रह गया। बीएसई पर सूचीबद्ध कुल 3,503 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई जबकि 780 शेयर चढ़कर बंद हुए और 119 अन्य अपरिवर्तित रहे।

मनरेगा को कमजोर कर पूंजीपतियों को फायदा पहुंचा रहे हैं प्रधानमंत्री : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायबरेली (उप्र)/भाषा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर सत्ता का केंद्रीकरण करने और गरीबों के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया है।

राहुल गांधी ने कहा कि सरकार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को कमजोर कर पूंजीपतियों को फायदा पहुंचा रही है।

अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली में मंगलवार को पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद ने कहा कि सरकार ने मनरेगा का नाम बदलकर उसका अपमान किया है और इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकार ने हाशिए पर पड़े लोगों को दी जाने वाली सुरक्षा वापस ले ली है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार का यह कदम लोकतंत्र की जड़ों पर हमला है।

गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सत्ता अपने हाथ में लेना चाहते हैं और गरीबों को भूखा मारना चाहते हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी पूरे देश में मनरेगा को बचाने के लिए आंदोलन कर रही है। हम मजदूरों के साथ खड़े हैं और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी देश की संपत्ति को उद्योगपति गौतम अदाणी और मुकेश अंबानी के हाथों में केंद्रित करना चाहते हैं।

'चंद्रमा पर लौटने के प्रयासों के साथ अंतरिक्ष दौड़ जारी है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने मंगलवार को कहा कि मौजूदा समय में अंतरिक्ष दौड़ चल रही है, लेकिन प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि इंसान चंद्रमा पर वापस लौटे और यह सार्थक, लोकतांत्रिक तरीके से हो।

यहां 'अमेरिकन सेंटर' में आयोजित लगभग एक घंटे के संवाद सत्र में शामिल होने से पहले, विलियम्स ने अपने संक्षिप्त प्रारंभिक संबोधन में यह भी कहा कि भारत वापस आना घर वापसी जैसा महसूस हुआ, क्योंकि यह वह देश है जहां उनके पिता का जन्म हुआ था।

गहरे नीले रंग के अंतरिक्ष परिधान और इसी थीम वाले कैनवास के जूतों में विलियम्स (60) भारतीय युवाओं से भरे सभागार में जोरदार तालियों के बीच दाखिल हुईं और बाद में सहजता से दर्शकों के साथ बातचीत की।

अमेरिकी नौसेना की पूर्व कैप्टन विलियम्स का जन्म 19 सितंबर, 1965 को अमेरिका के ओहियो के यूक्लिड में हुआ था। उनके पिता दीपक पंड्या गुजराती थे और मेहसाणा जिले के झुलासन के रहने वाले थे, जबकि उनकी मां उर्सुलिन बोनी पंड्या स्लोवेनिया की थीं।

बातचीत के दौरान, उन्होंने उस समय के अपने अनुभवों को भी साझा किया जब वह अंतरिक्ष में फंस गई थीं। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए आठ दिवसीय मिशन विलियम्स के जीवन की सबसे बड़ी चुनौती बन गया था क्योंकि उनकी बोइंग अंतरिक्ष उड़ान में समस्याएं उत्पन्न हो गई थीं, जिसके कारण कक्षा में उनका प्रवास नौ महीने से अधिक तक बढ़ गया था।

उस अवधि के कुछ दृश्य स्क्रीन पर दिखाए गए, जिसमें आईएसएस के बहुसांस्कृतिक दल को थैंक्सगिविंग, क्रिसमस और एक दल के सदस्य का जन्मदिन मनाते हुए दिखाया गया।

विलियम्स ने कहा, हम बहुत अच्छे गायक तो नहीं हैं, लेकिन हम अंतरिक्ष केक बना सकते हैं।'' उनकी यह बात सुनकर दर्शक हंस पड़े। उन्होंने कहा, आप एक समय में लगभग 12 लोगों को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर देख सकते थे।

आदिवासी युवाओं को शिक्षा के बाद उच्च सरकारी पदों का लक्ष्य रखना चाहिए : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने मंगलवार को आदिवासी युवाओं से उच्च शिक्षा हासिल करने और उच्च सरकारी सेवाओं में प्रवेश करने के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि आदिवासी समुदाय की तेज प्रगति के लिए यह जरूरी है। बागड़े ने मंगलवार को यहां लोकभवन में आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत ओडिशा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, झारखंड आदि राज्यों से आए आदिवासी युवाओं से संवाद किया।

राज्यपाल बागड़े ने कहा कि ग्रामीण और आदिवासी युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने और परस्पर विचार विनिमय की दृष्टि से युवा आदान प्रदान कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आदिवासी युवाओं को उच्च शिक्षा के बाद उच्च सेवाओं में जाने के लिए परीक्षाएं देने और सफल होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आदिवासी युवा मन बनाकर उच्च शिक्षा, व्यवसाय और उच्च सेवा परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के प्रयास करें, इससे आदिवासी समाज तेजी से आगे बढ़ सकेगा।

बागड़े ने युवाओं को नशे और व्यसन से दूर रहने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति को अशक्त करता है, उससे शारीरिक और मानसिक क्षमता का नाश होता है। उन्होंने भारत की संस्कृति को विश्व की प्राचीनतम संस्कृति बताते हुए कहा, विविधता होते हुए भी हमारी श्रद्धा और भक्ति एक है। भारत की संस्कृति मनों को जोड़ने वाली है। युवाओं ने आदिवासी संस्कृति से जुड़ी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी। राज्यपाल ने कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया।

सतत विकास के लिए इस्पात कबाड़ के उपयोग को बढ़ाने की आवश्यकता : अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। देश को सतत विकास का समर्थन करने, उत्सर्जन कम करने और भविष्य के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अपने उत्पादन प्रक्रियाओं में इस्पात के कबाड़ के उपयोग को बढ़ाने की आवश्यकता है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने मंगलवार को कहा। 13वें अंतरराष्ट्रीय सामग्री पुनर्चक्रण सम्मेलन एवं प्रदर्शनी (आईएमआरसी) को संबोधित करते हुए इस्पात मंत्रालय के संयुक्त सचिव दया निदान पांडे ने कहा कि भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा कच्चा इस्पात उत्पादक है। भारत ने पिछले चार वर्षों में तैयार इस्पात की खपत में 11.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है।

उन्होंने कहा, भारत इस्पात के कबाड़ की हिस्सेदारी धीरे-धीरे बढ़ाए, ताकि सतत इस्पात उद्योग को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक औसत 31 प्रतिशत तक पहुंचा जा सके। मटेरियल रीसाइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमआरएआई) द्वारा आयोजित सम्मेलन में पांडे ने कहा, यह बदलाव दीर्घकालिक ऊर्जा दक्षता हासिल करने, संसाधन सुरक्षा को समर्थन देने और इस्पात क्षेत्र के समग्र पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए महत्वपूर्ण है।

उन्होंने बताया कि भारत का कबाड़ परिवेश अभी परिपक्वता के शुरुआती चरण में है। वैश्विक औसत तक पहुंचने में समय लगेगा। अधिकारी ने कहा, जैसे-जैसे भारत वित्त वर्ष 2030-31 तक 30 करोड़ टन और वित्त वर्ष 2046-47 तक 50 करोड़ टन इस्पात क्षमता लक्ष्यों की ओर बढ़ेगा, इस्पात कबाड़ सतत इस्पात उत्पादन में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

पांडे ने कहा कि इस्पात क्षेत्र भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग दो प्रतिशत का योगदान करता है और सरकार ने राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 के तहत वित्त वर्ष 203031 तक 30 करोड़ टन कच्चे इस्पात क्षमता का लक्ष्य रखा है। भारत का कच्चा इस्पात उत्पादन वित्त वर्ष 202324 में 14.43 करोड़ टन रहा। वर्तमान में कबाड़ का योगदान देश में कच्चे इस्पात उत्पादन का लगभग 21 प्रतिशत है। मटेरियल रीसाइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष संजय मेहता ने कहा कि भारत में पुनर्चक्रण अब कोई परिधीय गतिविधि नहीं है, बल्कि संसाधन सुरक्षा, जलवायु प्रतिबद्धताओं और विनिर्माण प्रतिस्पर्धा का केंद्रीय हिस्सा है।

दो दिवसीय सम्मेलन में स्थिरता, जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा भंडारण और संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग वाली अर्थव्यवस्था (सर्कुलर इकोनॉमी) की ओर बदलाव सहित विभिन्न प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से मंगलवार को लोकभवन में प्रदेश के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले विभाग मंत्री सुमित गोदारा ने मुलाकात की। राज्यपाल बागड़े से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

प्रदेश कांग्रेस एससी विभाग की कार्यशाला का समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश कांग्रेस एससी विभाग की दो दिवसीय जिलाध्यक्ष और प्रदेश पदाधिकारी संयुक्त कार्यशाला का पीसीसी में समापन हुआ। एससी विभाग प्रदेशाध्यक्ष ममता भूपेश ने कार्यशाला में शामिल होकर कार्यकर्ताओं को मनरेगा योजना बदलाव को लेकर चर्चा की और लोगों के बीच जाकर जनजागरण अभियान चलाने का आग्रह किया।

बैठक के दूसरे दिन जोधपुर, बीकानेर और अजमेर संभाग के पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में भूपेश ने मौजूद कांग्रेसजनों को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र की सरकार ने मनरेगा योजना में बदलाव कर गांव के करोड़ों लोगों की रोजी रोटी पर कुठाराघात किया है। महात्मा गांधी का नाम हटाकर नियमों में किए बदलाव से अब लोगों को पर्याप्त रोजगार नहीं मिल पाएगा। लोग शहरों की तरफ पलायन करेंगे। प्रदेश के एससी समुदाय के लोग इस निर्णय से काफी ज्यादा प्रभावित होंगे।

भूपेश ने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार पर लोकतंत्र की हत्या करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर जनता की आवाज उठाने वाले नेताओं को जेल में डालने की कोशिश की जा रही है।

कांग्रेस सरकार में शुरू की गई जनकल्याणकारी योजनाओं को बंद किया जा रहा है। जनता इनके शासन से त्रस्त हो चुकी है और आगामी चुनावों में इनको उखाड़ फेंकने का मानस बना चुकी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि वे गांव गांव जाकर लोगों को मनरेगा में बदलाव के गलत प्रभाव के बारे में बताएं और जनजागरण अभियान के माध्यम से लोगों को सच्चाई से अवगत कराएं।

पश्चिमी विक्षोभ से राजस्थान में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। एक नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से इस सप्ताह राजस्थान के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इसके अनुसार, राज्य के कुछ भागों में 22 से 24 जनवरी के दौरान एक नया मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने तथा मावठ की बारिश होने की पूरी संभावना है। वहीं एक और पश्चिमी विक्षोभ 26 से 28 जनवरी के दौरान प्रभावी होगा।

मौसम विभाग ने कहा कि 22 जनवरी को जोधपुर, बीकानेर संभाग व शेखावाटी क्षेत्र के कुछ भागों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं 23 जनवरी को बीकानेर संभाग, शेखावाटी क्षेत्र व जयपुर, अजमेर, भरतपुर संभाग के कुछ भागों में भी आकाशीय बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। विभाग के मुताबिक, 24-25 जनवरी को अधिकतर भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने तथा न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने तथा कहीं-कहीं घना कोहरा छाने का अनुमान है।

मंगलवार सुबह तक बीते चौबीस घंटे के दौरान राजधानी जयपुर में कई जगह हल्की बूंदाबांदी हुई लेकिन शेष राज्य में मौसम शुष्क रहा। कहीं-कहीं पर मध्यम से घना कोहरा दर्ज किया गया। इस दौरान अधिकतम तापमान जवाई बांध (पाली) में 30.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान पाली में 4.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

जयपुर के पास हादसे में तीन व्यक्तियों की मौत

जयपुर। जयपुर के पास मंगलवार सुबह सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और कम से कम पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह हादसा उस समय हुआ जब एक कार अनियंत्रित होकर, सड़क के किनारे खड़े कंटेनर में जा घुसी। हादसा चंदवाजी थाना क्षेत्र में हुआ। थानाधिकारी हीरालाल ने बताया कि एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर कंटेनर से जा टकराई। इस हादसे में एक महिला और दो पुरुषों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि हादसे में दो बच्चों सहित छह लोग घायल हुए हैं जिन्हें इलाज के लिए ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच के अनुसार कार में सवार लोग बनारस की ओर जा रहे थे। मंगलवार को सुबह लगभग 11 बजे उनकी कार चंदवाजी पुलिया से एक किलोमीटर पहले एक खड़े कंटेनर से जा टकराई। पुलिस पीड़ितों की पहचान कर रही है।

गहलोत ने मणिपुर में राजस्थान की स्कूल टीम को बंधक बनाने की खबरों पर चिंता जताई

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राष्ट्रीय स्कूल खेलों के लिए मणिपुर गई राजस्थान की टीम को बंदूक दिखा कर बंधक बनाए जाने की खबरों पर चिंता जताई है। गहलोत ने इस खबर को ''बेहद दुखद और चिंताजनक बताया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा, बेहद दुखद और चिंताजनक है कि राष्ट्रीय स्कूल खेलों के लिए मणिपुर गई राजस्थान की टीम को वहां पर बंदूक की नोंक पर बंधक बनाने एवं लूट की खबरें आई हैं। उनके अनुसार, बताया जा रहा है कि बच्चों और उनके परिजनों ने अपनी पीड़ा का वीडियो सोशल मीडिया पर डाला है। राजस्थान सरकार और खेल विभाग ने इस गंभीर मुद्दे पर क्या कार्रवाई की है? बच्चों के साथ ऐसी घटना होना बेहद गंभीर है, मामले की पूरी जांच होनी चाहिए और आइंदा से राजस्थान से जाने वाली टीमों की सुरक्षा पुख्ता होनी चाहिए। उन्होंने लिखा, मणिपुर पिछले करीब दो वर्षों से हिंसा और अशांति से जूझ रहा है। अब तो राष्ट्रपति शासन लागू है तो पूरी जिम्मेदारी भी केन्द्र सरकार की है लेकिन ऐसा लगता है कि केन्द्र सरकार का इस ओर कोई ध्यान नहीं है।

विधायिका भारतीय लोकतंत्र की धड़कन है : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने लखनऊ में 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन में मंगलवार को जनता के प्रति विधायिका की जवाबदेही विषय पर विधायिका को स्वयं का आत्म मूल्यांकन करने लोक और तंत्र के सेतु को सतत और सशक्त बनाने, नई चुनौतियों से मुकाबले के साथ भविष्य को प्रभावशाली बनाने के लिए दूरदर्शी उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सबसे मजबूत नींव जनता का अडिग विश्वास होता है। यह विश्वास जनता से निरंतर संवाद, पारदर्शिता और उत्तरदायित्वपूर्ण आचरण से ही कायम रह सकता है। देवनानी ने विधायिका को भारतीय लोकतंत्र की धडकन बताया।

विधायी जनता को आकांक्षाओं का दर्पण - देवनानी ने कहा कि विधायिका कोई स्वतंत्र सत्ता-केंद्र नहीं, बल्कि जनता की आकांक्षाओं और अपेक्षाओं का दर्पण है। सदन में बैठने वाला प्रत्येक सदस्य केवल स्वयं का नहीं, बल्कि लाखों नागरिकों की सामूहिक आवाज का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने महात्मा गांधी के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि लोकतंत्र की कसौटी यह है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और अधिकार पहुंचें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जवाबदेही केवल चुनाव के समय नहीं, बल्कि सदन के प्रत्येक सत्र, प्रत्येक बहस, प्रत्येक प्रश्न और प्रत्येक विधायी हस्तक्षेप में दिखाई देनी चाहिए। एक जीवंत लोकतंत्र वही है जिसमें विधायिका जनता की समस्याओं को केवल सुनती ही नहीं, बल्कि उन्हें गहराई से महसूस कर समाधान के लिए प्रतिबद्ध रहती है। देवनानी ने कहा कि संवैधानिक नैतिकता केवल कागजों पर अंकित शब्द नहीं है, बल्कि यह हमारे रोजमर्रा के विधायी कार्यों का हिस्सा होनी चाहिए। जब हम सदन में बैठते हैं, तो हमें संविधान के ट्रस्टी के रूप में व्यवहार करना चाहिए, क्योंकि हमारे हाथ में जो शक्ति है, वह जनता द्वारा दी गई पवित्र धरोहर है। अल्पमत की आवाज को दिया सम्मान, सदन की श्रेष्ठता का पैमाना - विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि सदन की श्रेष्ठता बहुमत की शक्ति से नहीं, बल्कि अल्पमत की आवाज को दिए गए सम्मान से तय होती है। असहमति और स्वस्थ आलोचना लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि संवाद और वाद-विवाद ही विधायिका की जवाबदेही के मजबूत स्तंभ हैं। देवनानी ने कार्यपालिका पर प्रभावी नियंत्रण को विधायिका का प्रमुख संवैधानिक दायित्व बताया। उन्होंने कहा कि जनता के कर से एकत्रित प्रत्येक रुपये का उपयोग जनकल्याण में हो, यह सुनिश्चित करना विधायिका का परम कर्तव्य है। प्रश्नकाल, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव और शून्यकाल को उन्होंने जनता की आवाज का सशक्त माध्यम बताया।

विधायी समितियां लघु सदन है - देवनानी ने कहा कि विधायी समितियों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि समितियां लघु सदन के रूप में कार्य करती हैं, जहां गहन, निष्पक्ष और तकनीकी समीक्षा संभव होती है। समिति प्रतिवेदन केवल फाइलों तक सीमित न रहें, बल्कि उन पर सदन में चर्चा हो और सरकार द्वारा की गई कार्यवाही का विवरण अनिवार्य रूप से प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने बताया कि राजस्थान विधानसभा ने लोक लेखा समिति और प्राक्कलन समिति के माध्यम से वित्तीय अनुशासन को सुदृढ़ किया है तथा यह सुनिश्चित किया है कि समितियों की रिपोर्ट पर समयबद्ध और प्रभावी कार्रवाई हो। साथ ही सदस्यों के प्रशिक्षण, अभिमुखीकरण कार्यक्रम, बाल विधानसभा और यूथ पार्लियामेंट जैसी पहलों से भविष्य की पीढ़ी को लोकतांत्रिक मूल्यों से जोड़ा जा रहा है।

आज डिजिटल जवाबदेही का युग - राजस्थान विधानसभा द्वारा उठाए गए डिजिटल नवाचारों के ऐतिहासिक कदमों का उल्लेख करते हुए देवनानी ने कहा कि आज डिजिटल जवाबदेही का युग है। ऑनलाइन प्रक्रियाओं, पेपरलेस व्यवस्था, यूट्यूब पर कार्यवाही के सजीव प्रसारण और राजस्थान विधानसभा के डिजिटल म्यूज़ियम के माध्यम से पारदर्शिता को नई ऊँचाइयों पर ले जाया गया है। यह एक प्रकार का सोशल ऑडिट है, जो सदन को निरंतर सजग बनाए रखता है। देवनानी ने लेजिस्लेटिव इम्पैक्ट असेसमेंट और पोस्ट-लेजिस्लेटिव ऑडिट की आवश्यकता पर भी बल दिया, ताकि कानून बनने के बाद उनके वास्तविक प्रभाव का आकलन किया जा सके। उन्होंने कहा कि जनता को नीति-निर्माण की प्रक्रिया में सहभागी बनाना ही सच्ची जवाबदेही का उच्चतम रूप है।

पीठासीन अधिकारियों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि अध्यक्ष का आसन केवल एक रेफरी का नहीं, बल्कि संविधान के संरक्षक का होता है। नियमों की व्याख्या इस प्रकार होनी चाहिए कि वह चर्चा को रोकने वाली नहीं, बल्कि उसे विस्तार देने वाली हो। विधायिका को स्वयं का आत्म मूल्यांकन करना होगा, इस परिप्रेक्ष्य में उन्होंने सदनों में सदस्यों की उपस्थिति विधेयकों के विविध पहलुओं पर चर्चा और सदन के भीतर संसदीय मर्यादाओं के पालन को विचारणीय बताया।

राजस्थान की उद्यमशीलता प्रवृत्ति को वैश्विक अवसरों में बदलें : राज्यपाल बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने मंगलवार को कहा कि देश के औद्योगिक विकास का प्रमुख आधार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले मध्यम उद्यम ही हैं। उन्होंने कहा कि इसी से लाखों परिवारों को रोजगार मिलता है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। इसलिए इन पर सर्वाधिक ध्यान दिया जाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। राज्यपाल ने 'राजस्थान इंडस्ट्री एंड एसएमई समिट' को मंगलवार को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान में शुरू से ही उद्यमशीलता की प्रवृति रही है। इस प्रवृत्ति को वैश्विक अवसरों में बदलते हुए भविष्य की असीम संभावनाओं के लिए मिलकर काम किया जाए।

उन्होंने कहा कि 'मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्योगों का ही सबसे बड़ा योगदान होगा।

आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्यपाल ने भारत के तेजी से विकसित राष्ट्र बनने की चर्चा करते हुए कहा कि विश्व के 28 राष्ट्रों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सम्मानित किया है। इससे पहले कभी ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि देश तेजी से सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बन रहा है। राज्यपाल ने भारत के उद्योगों को सशक्त बनाने के लिए सभी से मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

बागड़े ने राजस्थान में अक्षय ऊर्जा एवं खनन से लेकर वस्त्र, हस्तशिल्प, इंजीनियरिंग उत्पाद और पर्यटन आदि क्षेत्रों की अपार संभावनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि इनसे राजस्थान आने वाले वर्षों में बड़ा औद्योगिक राज्य बनेगा। उन्होंने कहा कि आने वाला दशक भारतीय उद्योग के लिए अभूतपूर्व अवसर लेकर आ रहा है और राजस्थान इस परिवर्तन के दौर में अग्रणी स्थान प्राप्त करेगा। इससे पहले कार्यक्रम में राज्यपाल ने अर्थव्यवस्था में योगदान देने वाले श्रेष्ठ उद्यमियों को 'प्राइड ऑफ राजस्थान अवॉर्ड' से सम्मानित किया।

तकनीक के प्रयोग से विभागीय कार्यों में बढ़ रही पारदर्शिता और शुद्धता : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय विदेश सेवा- 2025 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने मंगलवार को शासन सचिवालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास से मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने में डिजिटलाइजेशन का बहुत महत्व है। उन्होंने कहा कि तकनीक का प्रयोग राजकार्य की प्रक्रिया को न केवल सरल बनाता है, बल्कि इससे विभागीय कार्यों में पारदर्शिता और शुद्धता भी आती है। प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नवीन विचारों और खोजपरक दृष्टि से आप जैसे युवा आमजन के जीवन में बहुत परिवर्तन ला सकते हैं। उन्होंने प्रदेश के बारे में बताया कि राजस्थान देश-विदेश में एक प्रसिद्ध पर्यटक हब के रूप में विकसित है तथा यहां सौर ऊर्जा की भी अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

मुख्य सचिव ने प्रशिक्षु अधिकारियों का परिचय लेते हुए सौहार्दपूर्ण वातावरण में उनसे बातचीत की तथा उनके पूरे विजिट कार्यक्रम की जानकारी भी ली। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा आमजन की समस्या के समाधान के लिए संचालित 181 हेल्पलाइन का उदाहरण देते हुए कहा कि इस व्यवस्था के माध्यम से आम नागरिकों की शिकायतों का समाधान नियत समय पर किया जाता है, जिससे सरकार की जवाबदेही तय होने के साथ-साथ लोगों में सरकार के प्रति विश्वास भी मजबूत होता है।

इस अवसर पर मुख्य सचिव ने अपने कार्यकाल के दौरान हुए व्यक्तिगत अनुभवों को भी प्रशिक्षु अधिकारियों से साझा किया। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों को इतिहास, भूगोल तथा प्रेरणात्मक किताबें पढ़ने का सुझाव देने के साथ ही उन्हें रोज लिखने की आदत बनाने को भी कहा। अंत में उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

ज्ञापन

कर्नाटक आरक्षण संरक्षण गठबंधन (कर्नाटक मिसलथी ओक्कूटा) के एक प्रतिनिधिमंडल ने, जिसमें भोवी गुरुपीठ के प्रमुख इम्मादी सिद्धारामेश्वर स्वामीजी, विधानसभा के उपाध्यक्ष रुद्रप्पा एम. लामणि और पूर्व मंत्री अरविंद लिंबावली शामिल थे, लोक भवन में राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की और अनुसूचित जाति के आंतरिक आरक्षण वर्गीकरण में बंचारा, भोवी, कोरमा, कोरचा और अन्य खानाबदोश समुदायों के साथ हुए अन्याय के निवारण की मांग करते हुए एक ज्ञापन प्रस्तुत किया।

नेतृत्व मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा-

आलाकमान के बुलावे पर दिल्ली जाऊंगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को कहा कि अगर कांग्रेस आलाकमान उनके और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से जुड़े नेतृत्व के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए बुलाता है तो वह नई दिल्ली जाएंगे। सिद्दरामय्या ने दिल्ली जाने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर पत्रकारों से कहा, अगर कांग्रेस आलाकमान मुझे बुलाता है, तो मैं जाऊंगा।

कांग्रेस सरकार द्वारा 20 नवंबर को अपने पांच साल के कार्यकाल का आधा समय पूरा करने के बाद मुख्यमंत्री पद में संभावित बदलाव की अटकलों के बीच सत्तारूढ़ पार्टी में नेतृत्व की 'खींचतान' तेज हो गई है। सरकार के 2023 में गठन के दौरान सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच कथित सत्ता-साझाकरण समझौते ने इस अटकल को और हवा दी है। सोमवार को दिल्ली से लौटे शिवकुमार ने संकेत दिया कि उनके और सिद्दरामय्या के नेतृत्व के मुद्दे पर कांग्रेस आलाकमान की उपस्थिति में चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि फैसला ले लिया गया है और समय सब बातों का जवाब दे देगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार ने दावा किया है कि उन्हें सिद्दरामय्या समेत सत्ताधारी दल के सभी 140 विधायकों का समर्थन प्राप्त है।

एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए सिद्दरामय्या ने कहा कि राज्य के बजट की तैयारी 22 से 31 जनवरी तक निर्धारित विधानसभा के संयुक्त सत्र के बाद शुरू होगी। उन्होंने कहा, 22 जनवरी से राज्य विधानसभा का संयुक्त सत्र शुरू होगा। इसके साथ ही मनरेगा पर विशेष सत्र भी आयोजित किया जाएगा। राज्यपाल के अभिभाषण के साथ-साथ महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम को बहाल करने संबंधी प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया जाएगा। इसके बाद बजट तैयार करने का कार्य शुरू होगा।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, 2026-27 का बजट मार्च में पेश किए जाने की संभावना है। सिद्दरामय्या ने पहले कहा था कि वे पिछले साल मार्च में पेश किए गए अपने 16वें बजट के बाद अगले साल अपना रिकॉर्ड 17वां बजट पेश करेंगे।

ईडी जांच के खिलाफ शिवकुमार की याचिका पर 10 मार्च को सुनवाई करेगी अदालत

बेंगलूरु/नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार की उस याचिका पर सुनवाई की तारीख 10 मार्च तय की, जो उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय की धनशोधन जांच के खिलाफ दायर की है। कांग्रेस नेता शिवकुमार ने 2022 में उच्च न्यायालय का रुख किया था और कथित आय से अधिक संपत्ति मामले के बाद एजेंसी द्वारा 2020 में दर्ज किए गए प्रवर्तन मामला सूचना रिकार्ड (ईसीआईआर) में उन्हें जारी समन सहित पूरी जांच को रद्द करने का अनुरोध किया था।

न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति रवींद्र डुडेजा की पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता द्वारा समय देने का अनुरोध किए जाने के बाद मामले की सुनवाई स्थगित कर दी। पीठ ने कहा, मामले को 10 मार्च को सूचीबद्ध किया जाए।

शिवकुमार ने याचिका में अपने खिलाफ जारी धनशोधन जांच को कई आधारों पर चुनौती दी है। इनमें यह भी शामिल है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) उसी अपराध की दोबारा जांच कर रहा है, जिसकी जांच वह पहले ही 2018 में दर्ज एक मामले में कर चुका है। अधिवक्ता मयंक जैन, परमात्मा सिंह और मधुर जैन के माध्यम से दाखिल अपनी दलीलों में शिवकुमार ने पहले कहा था कि मौजूदा जांच उनके खिलाफ दूसरी बार की गई कार्यवाही है और यह कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग तथा शक्ति का दुर्भावनापूर्ण इस्तेमाल है।

दो मई 2023 को उच्च न्यायालय ने आदेश दिया था कि इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) शिवकुमार के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने के अपने रुख से बंधा रहेगा। ईडी ने दोबारा जांच के दावे का विरोध करते हुए अपने जवाबी शपथपत्र में कहा कि याचिकाकर्ता के खिलाफ दर्ज दो ईसीआईआर विभिन्न तथ्यों पर आधारित हैं और दोनों मामलों में अपराध भी अलग हैं। उसने कहा कि इसमें शामिल अपराध से अर्जित राशि की मात्रा भी अलग है।

अगली पीढ़ी की इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित कर रहा डीआरडीओ : शीर्ष अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) अगली पीढ़ी की इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रौद्योगिकियों और स्वदेशी लड़ाकू विमान कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिनमें आत्मनिर्भरता और भविष्य के युद्ध क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। डीआरडीओ के महानिदेशक (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार प्रणाली) बी. के. दास ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर कॉन्फ्रेंस-इंडिया (ईडब्ल्यूसीआई) के इतर 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में दास ने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक युद्ध से जुड़े सभी हितधारकों-उद्योग, शिक्षा जगत और अनुसंधान संस्थानों-को एक मंच पर लाना है, ताकि तेजी से विकसित हो रहे इस क्षेत्र में एक साझा लक्ष्य की दिशा में काम किया जा सके।

उन्होंने कहा, मुख्य उद्देश्य देश के पूरे इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर इकोसिस्टम-उद्योग, अकादमिक जगत और शोध संस्थानों-को एकजुट करके इस उभरते युद्ध क्षेत्र में एक साझा उद्देश्य के लिए काम करना है। दास ने बताया कि 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत वैश्विक भागीदारी और स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकास को गति मिल रही है।

भविष्य की परियोजनाओं पर उन्होंने कहा कि डीआरडीओ उन्नत तकनीकों पर काम कर रहा है, जो आने वाले दशकों में युद्ध की परिभाषा बदल देंगी।

सम्मान

ब्रेनोथॉन द्वारा आयोजित जनरल नॉलेज ऑनलाइन टेस्ट में राज्य स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्रों को स्टेट प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन (सीएएमएस) कर्नाटक द्वारा पैलेस ग्राउंड्स में आयोजित मिशन-मिशन एजुकेशनल कॉन्फ्रेंस में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा, सीएएमएस के मानद अध्यक्ष और विधायक पुट्टन्ना, विधान परिषद सदस्य डी.टी. श्रीनिवास, रामोजी गौड़ा, भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष एन.पी. सिंह, सीएएमएस सदस्य ए.पी. महेशकुमार, मुनिस्वामी रेड्डी और राज्य के विभिन्न एजुकेशनल संगठनों के प्रमुख मौजूद थे।

पुत्तुर में 106 किलो से अधिक गांजा बरामद, दो व्यक्ति गिरफ्तार

पुत्तुर। दक्षिण कन्नड़ जिले के पुत्तुर में एक वाहन की जांच के दौरान पुत्तुर ग्रामीण पुलिस ने दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और 106 किलोग्राम से अधिक गांजा जब्त किया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि मुखबिर की सूचना पर पुत्तुर ग्रामीण पुलिस ने पुत्तुर तालुक के पडुवन्नूर गांव में साजनकडी में एक कार और एक अशोक लेलैंड मालवाहक वाहन को रोका। पुलिस को ड्राइवर के व्यवहार पर संदेह हुआ और पुलिस ने इन वाहनों की जांच की। पुलिस ने जांच के बाद 106.60 किलोग्राम गांजा जब्त किया जिन्हें 73 बंडलों में प्लास्टिक के कवर में पैक किया गया था। जब्त किए गए गांजा की अनुमानित कीमत 53.03 लाख रुपये बताई जाती है। पुलिस ने कहा कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान रफीक पी. (37) और अब्दुल सादिक (37) के रूप में की गई है। ये दोनों बेलथांगडी तालुक के चरमडी गांव के रहने वाले हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि गांजा की खेप केरल, मंगलुरु और दक्षिण कन्नड़ के अन्य हिस्सों में बेचने के लिए भेजी जा रही थी।

नेतृत्व के संबंध में कांग्रेस के निर्णय की धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा कर रहे हैं शिवकुमार : डी के सुरेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार नेतृत्व के संबंध में कांग्रेस के निर्णय का धैर्यपूर्वक इंतजार कर रहे हैं। शिवकुमार के भाई और पूर्व सांसद डी.के. सुरेश ने मंगलवार को यह बात कही। सुरेश ने पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार को पार्टी का अनुशासित सैनिक बताया, और कहा कि वह पार्टी और उसके विधायकों, दोनों के हित में काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने भरोसा दिलाया है कि उचित समय पर उचित निर्णय लिया जाएगा। सुरेश ने कहा, पार्टी पहले ही उन्हें धैर्य रखने के लिए कह चुकी है। मैसूरु की बैठक में राहुल गांधी ने भी कहा कि उचित समय पर निर्णय लिया जाएगा। शिवकुमार शुरू से ही पार्टी के अनुशासित सैनिक रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी और विधायकों के हित में, और सभी 140 विधायकों को एकजुट रखने के उद्देश्य से शिवकुमार पार्टी के निर्णय का धैर्यपूर्वक इंतजार कर रहे हैं।

सुरेश ने कहा, किसी को भी सत्ता आसानी से नहीं मिलती। अगर यह मेरे भाई की किस्मत में लिखा है, तो वह मुख्यमंत्री बनेंगे। यह पद पाना आसान नहीं है और इसे धैर्य के बिना प्राप्त नहीं किया जा सकता। कर्नाटक में 20 नवंबर को कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के ढाई वर्ष पूरे होने पर 'नेतृत्व संघर्ष' तेज हो गया था। इन अटकलों को 2023 में सरकार गठन के दौरान मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच सत्ता साझा करने को लेकर हुए कथित समझौते से जोड़ा जा रहा है।

तमिलनाडु सरकार ने वीबी-जी राम जी अधिनियम को वापस लेने का केंद्र से अनुरोध किया

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने मंगलवार को केंद्र सरकार से हाल में पारित वीबी-जी राम जी अधिनियम को वापस लेने और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौर की ग्रामीण रोजगार योजना मनरेगा को बहाल करने का आग्रह किया, ताकि राज्य के वित्तीय बोझ को कम किया जा सके। सरकार ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को बंद करने से न केवल ग्रामीण विकास प्रभावित हुआ है, बल्कि राज्य सरकार पर वित्तीय दबाव भी बढ़ा है। तमिलनाडु विधानसभा के अध्यक्ष एम. अप्पावु ने राज्यपाल का अभिभाषण पढ़ते हुए कहा, वीबी-जी राम जी के कारण तमिलनाडु पर सालाना लगभग 5,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय बोझ बढ़ जाएगा।

भारत की वृद्धि गाथा का कर्नाटक एक प्रमुख स्तंभ : पाटिल

दावोस/बेंगलूरु। कर्नाटक को भारत की आर्थिक वृद्धि की कहानी का एक मजबूत स्तंभ बताते हुए राज्य के वरिष्ठ मंत्री एम बी पाटिल ने कहा है कि भारत की असली ताकत उसकी संघीय संरचना में निहित है और कर्नाटक सहकारी संघवाद का प्रमुख उदाहरण है। पाटिल ने स्विट्जरलैंड के दावोस में जारी विश्व आर्थिक मंच की सालाना बैठक के दौरान 'इंडिया पैवेलियन' के उद्घाटन समारोह में कहा कि दावोस में भारत की मौजूदगी का व्यापक स्तर इसके आत्मविश्वास और एकजुटता को दर्शाता है।

कई केंद्रीय मंत्रियों और अन्य राज्यों के नेताओं की मौजूदगी में पाटिल ने कहा कि यह दुनिया के लिए स्पष्ट संदेश है कि भारत केवल वैश्विक वृद्धि में भागीदार नहीं है, बल्कि उसे दिशा देने में भी भूमिका निभा रहा है। पाटिल ने कहा, हमारा संदेश बिल्कुल स्पष्ट है और वह एक मजबूत कर्नाटक और एक मजबूत भारत का है। उन्होंने कहा कि आज का भारत एक गतिशील राष्ट्र की कहानी को प्रतिबिंबित करता है जो आकांक्षी, महत्वाकांक्षी और वैश्विक स्तर पर सक्रिय है।

कर्नाटक के विशाल एवं मध्यम उद्योग मंत्री ने कहा कि यह रफ्तार लगातार कई वर्षों के प्रयासों, जुझारूपन से भरे सुधारों और सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि का सफर पूर्व प्रधानमंत्री पी वी नरसिंह राव के दौर में शुरू हुआ था और बाद में मनमोहन सिंह, अटल बिहारी वाजपेयी और अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे आगे बढ़ाया। पाटिल ने इस बात पर जोर दिया कि यह सामूहिक सफलता है, जिसमें केंद्र और राज्यों के मिलकर काम करने से देश को मजबूती मिली है।

उन्होंने कहा कि भारत की ताकत उसकी संघीय व्यवस्था में है, जहां केंद्र और राज्य मिलकर काम करते हैं। कर्नाटक की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य देश की आईटी राजधानी होने के साथ वैमानिकी एवं रक्षा क्षेत्र का भी प्रमुख केंद्र है। इसके अलावा कर्नाटक मशीनी उपकरणों और स्टार्टअप में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। पाटिल ने कहा, कर्नाटक को खास बनाने वाली सिर्फ हमारी नीतियां नहीं हैं, बल्कि हमारे लोग, संस्थान और नवाचार की संस्कृति भी है।

जांच के बाद डीजीपी रामचंद्र राव को बर्खास्त भी किया जा सकता है : परमेश्वर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि महिलाओं के साथ आपत्तिजनक स्थिति में कथित वीडियो वायरल होने के बाद सरकार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए डीजीपी के. रामचंद्र राव को निलंबित कर दिया है और जांच के बाद उन्हें बर्खास्त भी किया जा सकता है। परमेश्वर ने कहा कि इस घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, उन्हें बर्खास्त भी किया जा सकता है।

सोमवार को समाचार चैनलों पर एक वीडियो प्रसारित हुआ, जिसमें राव को महिलाओं के साथ कथित तौर पर आपत्तिजनक स्थिति में दिखाया गया। राव ने वीडियो को नकारते हुए इसे ''फर्जी'' बताया है। सरकार ने सेवा नियमों के उल्लंघन और एक सरकारी सेवक के आचरण के अनुरूप न होने का हवाला देते हुए विस्तृत जांच लंबित रहने तक राव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। बेंगलूरु में संवाददाताओं से गृह मंत्री ने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए निलंबन एक तात्कालिक कदम था। उन्होंने कहा, हमने उन्हें निलंबित कर दिया है। जांच होगी, जांच के बाद अन्य पहलुओं का भी पता चलेगा और उसके अनुसार अगली कार्रवाई की जाएगी।

इस सवाल पर कि निलंबित अधिकारी उनसे मुलाकात करना चाहते थे, परमेश्वर ने कहा कि उन्होंने जानबूझकर किसी भी तरह की बातचीत से परहेज किया। उन्होंने कहा, ऐसी स्थिति में सतर्क रहना जरूरी होता है, इसलिए मैं उनसे नहीं मिला। भाजपा की ओर से अधिकारी की गिरफ्तारी की मांग पर मंत्री ने संकेत दिया कि सरकार भविष्य में और सख्त कार्रवाई से इनकार नहीं कर रही है। उन्होंने कहा, आगे की कार्रवाई अलग हो सकती है। उन्हें बर्खास्त भी किया जा सकता है।

उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारी की वरिष्ठता के बावजूद सरकार ने कार्रवाई करने में कोई हिचक नहीं दिखाई। परमेश्वर ने कहा, तत्काल कार्रवाई जरूरी थी, इसलिए यह नहीं देखा गया कि वह एक वरिष्ठ अधिकारी हैं।

नई साप्ताहिक ट्रेन एसएमवीटी बेंगलूरु और बालुरघाट को जोड़ेगी

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार रेल मंत्रालय ने कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में लंबी दूरी की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए एसएमवीटी बेंगलूरु और बालुरघाट (पश्चिम बंगाल) के बीच एक नई साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन सेवा शुरू करने की मंज़ूरी दे दी है। ट्रेन नंबर 16523 एसएमवीटी बेंगलूरु-बालुरघाट साप्ताहिक एक्सप्रेस 21 जनवरी से हर बुधवार को 10:15 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से रवाना होगी और शुक्रवार को 04:15 बजे बालुरघाट पहुंचेगी। वापसी में, 24 जनवरी से प्रत्येक शनिवार को सायं 05.15 ट्रेन नंबर 16524 बालुरघाट-एसएमवीटी बेंगलूरु साप्ताहिक एक्सप्रेस बालुरघाट से रवाना होगी और सोमवार को 03:00 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में कृष्णराजपुरम, बंगारपेट, कुप्पम, जोलारपेट्टई, काटपाडी, अराक्कोनम, पेरम्बूर, नायडू पेटा, नेल्लोर, ओंगोल, चिराला, तेनाली, विजयवाड़ा, एलुरु, राजमुंदरी, समालकोट, अनाकापल्ले, दुव्वाडा, पेंडुर्ती, कोट्टावलसा, विजयनगरम, श्रीकाकुलम रोड, पालासा, ब्रह्मपुर, बालूगांव, खुर्दा रोड, भुवनेश्वर, कटक, जाजपुर क्योंझर रोड, भद्रक, बालासोर, खड़गपुर, अंडुल, डानकुनी, बर्धमान, बोलपुर (शांतिनिकेतन), रामपुरहाट, मालदा टाउन, एकलाखी, बुनियादपुर और गंगारामपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

Sl.#	Description of work	Approx. Value
	ओपन निविदा सूचना सं: BE-29-2025-26-OT-22	
1	एसएसई/पी/यशवंतपुर के क्षेत्राधिकार पर इलेक्ट्रिकल कार्यों के लिए प्रांतीय अनुबंध।	रु. 41,79,506/-
	ओपन निविदा सूचना सं: BE-29-2025-26-OT-26	
2	एसएसई/पी/बेंगलूरु छावनी के क्षेत्राधिकार पर इलेक्ट्रिकल कार्यों के लिए प्रांतीय अनुबंध।	रु. 33,53,330/-
	ओपन निविदा सूचना सं: BE-29-2025-26-OT-27	
3	एसएसई/पी/पीआरएस के क्षेत्राधिकार पर इलेक्ट्रिकल कार्यों के लिए प्रांतीय अनुबंध।	रु. 32,00,351/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 06.02.2026, 15:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/सामान्य/बेंगलूरु
PUB/829/AAMO/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं: CAO/CN/BNC/169/2026
दिनांक: 14.01.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	व्हाईटफील्ड: एसजीडब्ल्यूएफ गुड्स शेड पर इलेक्ट्रिकल कार्यों के साथ साथ बुनियादी ढांचे का प्रधान उन्नयन / आधुनीकरण कार्य (संयुक्त कार्य)। (निविदा संदर्भ सं.: SGT-WFD-GOODSHED)	रु. 36,44,29,676/-
2	मैसूरु (एमवायएस) - चामराजनगर (सीएमएनआर) विभाग पर नंजनगूड (एनटीडब्ल्यू) और चामराजनगरा (सीएमएनआर) स्टेशनों के बीच किमी. 40/420 कावलंदे यार्ड पर नई क्रॉसिंग स्टेशन का निर्माण के तहत संयुक्त कार्य (सिविल, इलेक्ट्रिकल सामान्य और ओएचई कार्यों)। (निविदा संदर्भ सं.: NTW-CMNR-XINGSTN)	रु. 31,11,02,446/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 06.02.2026, 15:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/कार्य/बेंगलूरु छावनी
PUB/832/AAMO/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

ನಗರಸಭಾ ಕಾರ್ಯಾಲಯ, ನೆಲಮಂಗಲ
ನೆಲಮಂಗಲ, ಬೆಂಗಳೂರು ಗ್ರಾಮಾಂತರ ಜಿಲ್ಲೆ-562123, ದೂ.: 080-27722735, ಸಹಾಯವಾಣಿ: 080-27723627, Web : www.nelamangala.mrc.gov.in, Email : itstaffnelamangala@yahoo.com
ಸಂಖ್ಯೆ: ನೆನ/ಆಶಾ/ಘವನಿ/ಟೆಂಡರ್/ಸಿಆರ್/11/2025-26 ದಿನಾಂಕ: 20.01.2026
"ಟೆಂಡರ್ ಪ್ರಕಟಣೆ" (ಕೆ.ಪಿ.ಪಿ.ಪಿ.ಪೋರ್ಟಲ್ ಮೂಲಕ)
ನೆಲಮಂಗಲ ನಗರಸಭೆ, ಬೆಂಗಳೂರು ಗ್ರಾಮಾಂತರ ಜಿಲ್ಲೆ ಇವರಿಂದ 2025-26ನೇ ಸಾಲಿನ ಎಸ್.ಬಿ.ಎಂ.2.0 ಅನುದಾನದಲ್ಲಿ ಹಾಗೂ ನಗರಸಭೆ ನಿಧಿಯಡಿ ಈ ಕೆಳಕಂಡ ಕಾಮಗಾರಿಗಳಿಗೆ ಕರ್ನಾಟಕ ಸ್ಟ್ಯಾಂಡರ್ ಡಾಕ್ಯೂಮೆಂಟ್ ಪ್ರಕಾರ ಟೆಂಡರ್‌ನ್ನು ದ್ವಿ-ಪದ್ಧತಿಯಡಿ ಅರ್ಹ ದರ್ಜೆಯ ನೋಂದಾಯಿತ ಗುತ್ತಿಗೆದಾರರಿಂದ / ಸಂಸ್ಥೆಯಿಂದ ಭಾಗವಹಿಸಲು ಇ-ಪ್ರೊಕ್ಯೂರ್‌ಮೆಂಟ್ ಪೋರ್ಟಲ್ ಮುಖಾಂತರ ಟೆಂಡರ್‌ನ್ನು ಕರೆಯಲಾಗಿರುತ್ತದೆ.

ಕ್ರಸಂ	ಕಾಮಗಾರಿಗಳ ವಿವರ	ಅಂದಾಜು ಮೊತ್ತ (ರೂ.ಲಕ್ಷಗಳಲ್ಲಿ)
01	DMA/2025-26/SE7113	49.64
02	DMA/2025-26/SE126/CALL-03	2.69 (ಸೇವಾಶುಲ್ಕ)
03	DMA/2025-26/SE127/CALL-03	2.30 (ಸೇವಾಶುಲ್ಕ)

(1) ಟೆಂಡರ್ ದಾಖಲೆಗಳನ್ನು ಕರ್ನಾಟಕ ಸರ್ಕಾರದ ಇ-ಪ್ರೊಕ್ಯೂರ್‌ಮೆಂಟ್ ಪೋರ್ಟಲ್ https://kppp.karnataka.gov.in/portal-home ನಿಂದ ಡೌನ್ ಲೋಡ್ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವುದು. (2) ಹೆಚ್ಚಿನ ಮಾಹಿತಿಗಾಗಿ ಕಛೇರಿಯ ಆರೋಗ್ಯ ಶಾಖೆಯ ಸಹಾಯಕ ಕಾರ್ಯಪಾಲಕ ಅಭಿಯಂತರರು (ಪರಿಸರ) ರವರನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸುವುದು.
ಸಹಿ/- ಪೌರಾಯುಕ್ತರು ನಗರಸಭೆ ನೆಲಮಂಗಲ.
ವಾ.ಸಾ.ಸಂ.ಇ/ವಾಪ್ರ/5135/ಶಿರಡಿಸಾಯಿ/2025-26

ಕಾರ್ಯಪಾಲಕ ಅಭಿಯಂತರರವರ ಕಛೇರಿ,
ಲೋಕೋಪಯೋಗಿ ಇಲಾಖೆ,
ವಿದ್ಯುತ್ ವಿಭಾಗ, ಕೆ.ಆರ್.ವೃತ್ತ, ಬೆಂಗಳೂರು.
ಸಂ:ಕಾ.ಅ.(ವಿ)/ಲೋ.ಇ./ವಿದ್ಯುತ್/2025-26/2525 ದಿನಾಂಕ:19.01.2026
ಟೆಂಡರ್ ಪ್ರಕಟಣೆ
ಕಾರ್ಯಪಾಲಕ ಅಭಿಯಂತರರು (ವಿದ್ಯುತ್), ಲೋಕೋಪಯೋಗಿ ವಿದ್ಯುತ್ ವಿಭಾಗ, ಬೆಂಗಳೂರು ಇವರ ವತಿಯಿಂದ ಈ ಕೆಳಕಂಡ ಕಾಮಗಾರಿಗಳನ್ನು KW-2 STD ಷರತ್ತಿಗೊಳಪಟ್ಟಂತೆ ಅಲ್ಪಾವಧಿ ಟೆಂಡರ್‌ನ ಎರಡನೇ ಕರೆಯನ್ನು ಕೆ.ಪಿ.ಪಿ.ಪಿ. ಮೂಲಕ ಟೆಂಡರ್‌ಗಳನ್ನು ಆಹ್ವಾನಿಸಲಾಗಿದೆ. ಕಾಮಗಾರಿಗಳ ವಿವರ ಕೆಳಕಂಡಂತಿವೆ.

Sl. No.	WORK INDENTS	Work Value (Rs.in Lakhs)
1	PWD/2025-26/EL/WORK_INDENT30968/Call-2	49.59
2	PWD/2025-26/EL/WORK_INDENT30970/Call-2	49.59

ಮೇಲಿನ ಟೆಂಡರ್‌ಗಳಲ್ಲಿ ಭಾಗವಹಿಸಲು ಇಚ್ಛಿಸುವವರು ವೆಬ್‌ಸೈಟ್: https:// kppp.karnataka.gov.in ನಲ್ಲಿ ಟೆಂಡರ್ ಡಾಕ್ಯೂಮೆಂಟ್‌ಗಳನ್ನು ಡೌನ್‌ಲೋಡ್ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಲು ದಿನಾಂಕ:19.01.2026 ರಿಂದ 28.01.2026, 16.00 ಗಂಟೆಯವರೆಗೆ ಹಾಗೂ ಭರ್ತಿ ಮಾಡಿದ ಟೆಂಡರ್ ಹಿಂತಿರುಗಿಸುವ ದಿನಾಂಕ: 28.01.2026 ರಂದೆ 16.00 ಗಂಟೆಯವರೆಗೆ ನಿಗದಿಪಡಿಸಲಾಗಿದೆ. ಟೆಂಡರ್ ವಿವರಗಳನ್ನು Karnataka Public Procurement Portal ನಲ್ಲಿ ಪಡೆಯಬಹುದಾಗಿದೆ. ಹೆಚ್ಚಿನ ವಿವರಗಳಿಗೆ ಈ ಕೆಳಗೆ ಸಹಿ ಮಾಡಿರುವ ಅಧಿಕಾರಿಗಳ ಕಛೇರಿಯಲ್ಲಿ ಕೆಲಸದ ವೇಳೆಯಲ್ಲಿ ಸಂಪರ್ಕಿಸಬಹುದು.
ಸಹಿ/- ಕಾರ್ಯಪಾಲಕ ಅಭಿಯಂತರರು(ವಿ)
ಲೋಕೋಪಯೋಗಿ ವಿದ್ಯುತ್ ವಿಭಾಗ, ಬೆಂಗಳೂರು.
ವಾಸಾಸಂಇ/ಉನಿ-ಸಿ.ಪಿ/5125/ಕೆಎಸ್‌ಎಂಸಿಎ/2025-26

सुविचार

धन कमाने से घर में चीज़ें आती हैं, लेकिन जब आप दुआएं कमाते हो तो धन के साथ ख़ुशी सेहत प्यार भी आता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सद्भाव से मिटेगा भेदभाव

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने जातिगत भेदभाव को खत्म करने के लिए जो सुझाव दिया है, उस पर अमल करने से समाज में क्रांतिकारी बदलाव आ सकते हैं। जाति एक ऐसी व्यवस्था है, जिसे हटाने और मिटाने के लिए कई लोगों ने संघर्ष किए, लेकिन इसे पूर्णत: समाप्त नहीं कर पाए। हां, समाज में सकारात्मक बदलाव जरूर आए हैं। पहले, जिस स्तर पर भेदभाव होता था, उसमें बहुत कमी आ गई है। इसका स्वागत होना चाहिए। किसी भी इन्सान को जाति, लिंग, रंग, भाषा, प्रांत आदि के नाम पर भेदभाव का सामना बिल्कुल न करना पड़े। सबको अपनी उन्नति के लिए समान अवसर मिलें। जहां तक जातिगत भेदभाव को खत्म करने की बात है, क्या इसके लिए जाति को खत्म कर देना ही एकमात्र विकल्प है? अगर हम सभी जातियों में सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए रास्ते खोज लें तो भेदभाव को बहुत जल्दी खत्म कर सकते हैं। हमारे पूर्वजों ने ऐसी कोशिशें की थीं, जिनके बहुत अच्छे नतीजे निकले थे। पहले, ग्रामीण क्षेत्रों में जो भी नई बहू आती थी, उसी गांव का एक परिवार, जिसकी जाति अलग होती थी, उसे अपनी बेटी मानकर गोद लेता था। उसे उतना ही प्रेम और सम्मान मिलता था, जितना घर की अन्य बेटियों को मिलता था। लोग उन रिश्तों को आखिरी सांस तक निभाते थे। क्या हम पूरे देश में ऐसी व्यवस्थाओं का निर्माण नहीं कर सकते? जातिगत भेदभाव को कानूनी उपायों से एक हद तक दूर किया जा सकता है, लेकिन इसका उन्मूलन सामाजिक स्तर पर सद्भाव से ही हो सकता है।

समाज में एकता की भावना पैदा करने के लिए सभी जातियों को साथ लेना होगा। अगर हम कुछ जातियों को दिन-रात इस बात के लिए कोसते रहेंगे कि उनके पूर्वजों में से किसी ने गलत काम किया था तो इससे सद्भाव की स्थापना नहीं होगी।

समाज में एकता की भावना पैदा करने के लिए सभी जातियों को साथ लेना होगा। अगर हम कुछ जातियों को दिन-रात इस बात के लिए कोसते रहेंगे कि उनके पूर्वजों में से किसी ने गलत काम किया था तो इससे सद्भाव की स्थापना नहीं होगी। इतिहास के किसी कालखंड में कोई सामाजिक विकृति आई थी तो उसके लिए वर्तमान पीढ़ी को दोष देना उचित नहीं है। हर व्यक्ति गरिमापूर्ण जीवन जीने का हकदार है। सबको साथ लेकर चलेंगे तो समाज मजबूत होगा। स्थानीय स्तर पर ऐसे प्रयोगों को बढ़ावा देना चाहिए, जो भेदभाव के बंधनों को दूर करें। उदाहरण के लिए, विभिन्न जातियों के लोग पखवाड़े या महीने में एक बार हर घर से अनाज, दाल और सब्जियां आदि लेकर सबके लिए भोज का आयोजन करें। रसोई के काम में सभी जातियों के लोग हाथ बंटाएं। खाना परोसते समय सभी जातियों के लोग सहयोग करें। इससे जातिगत भेदभाव को दूर करने में मदद मिलेगी। आज सोशल मीडिया पर भेदभाव को दूर करने के बजाय ऐसी सामग्री की भरमार है, जो विद्वेष को बढ़ावा देती है। कोई व्यक्ति एक जाति के खिलाफ गलत टिप्पणी कर देता है, जिसके बाद अन्य लोग झगड़ते रहते हैं। अगर गौर करेंगे तो पाएंगे कि ऐसे कई अकाउंट विदेशों से संचालित होते हैं। उनका काम है- भारतवासियों में जाति के नाम पर लड़ाई-झगड़े करवाना। लोगों में फूट डालना कितना आसान है! यह दुर्भाग्य का विषय है। एक तरफ लोग याद करते हैं कि अंग्रेजों ने फूट डालकर देश को गुलाम बनाया था, लेकिन दूसरी तरफ जब कोई व्यक्ति उकसावे वाली टिप्पणी करता है तो सामाजिक एकता की सारी बातें भूल जाते हैं। हमें विचार करना चाहिए- कहीं हम वही गलती तो नहीं कर रहे, जो अतीत में हुई थी? इक्कीसवीं सदी में किसी भी तरह के भेदभाव के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्री रफीक मंडेलिया जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। ईश्वर से आपके स्वस्थ, सुदीर्घ एवं खुशहाल जीवन की कामना करते हैं।

-गोविंदसिंह डोटासरा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यभार संभालने पर नितिन नबीन जी को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। अपने अथक परिश्रम और समर्पण भाव से संगठन के दायित्वों को पूरी जिम्मेदारी के साथ निभाते हुए उन्होंने यहां तक का सफर तय किया है।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

धर्म के नाम पर राजनीति करने वाली भाजपा सरकार के राज में अगर सर्वोच्च संतों का यह हाल है, तो यह घोर पाप है। सत्ता के अहंकार में प्रशासन द्वारा माफी मांगने के बजाय संत को ही नोटिस थमाना 'विनाशकाले विपरीत बुद्धि' का प्रमाण है।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

ज्ञान की अनंतता

ग्रीस के प्रसिद्ध दार्शनिक प्लेटो हर क्षण कुछ नया जानने के लिए उत्सुक रहते थे। प्राय: शीर्षस्थ बुद्धिजीवी और अन्य जिज्ञासु उनके पास पहुंचते और अपनी-अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त करते। प्लेटो भी उनसे कुछ न कुछ नई जानकारी लेने का प्रयास करते। एक दिन प्लेटो ने विज्ञान के एक शिक्षक की अध्यात्म संबंधी जिज्ञासा का समाधान करने के बाद उससे विज्ञान संबंधी कोई जानकारी ली।

शिक्षक के चले जाने के बाद शिष्य ने कहा, 'सर! आप संसार के प्रसिद्ध विद्वान और दार्शनिक हैं। जब आप आगंतुकों से कुछ पूछते हैं, तो हमें ग्लानि महसूस होती है। आप इतने बड़े ज्ञानी होने के बावजूद ऐसा क्यों करते हैं?' संत प्लेटो ने उसे समझाते हुए कहा, 'वत्स, ज्ञान अथाह है। उसकी कोई सीमा नहीं होती। मेरा ज्ञान भी उतना ही सीमित है, जितनी समुद्र की एक बूंद। पूर्ण ज्ञानी होने का कोई दावा नहीं कर सकता। जो ऐसा करता है, वह झूठा और अहंकारी होता है।' शिष्य प्लेटो की निरभिमानता के समक्ष नतमस्तक हो गया।

सामयिक

ग्रीन लैंड : ट्रम्प का बाल हठ या राज हठ...?

ऋतुपर्ण दवे

मोबाइल : 8989446288

कभी लगता है कि ट्रम्प तानाशाह हैं, कभी लगता है कि तुनकमिजाल। शायद अमेरीका वासियों को भी अब ट्रम्प को समझ पाना मुश्किल हो रहा होगा। उन्हें चुनते वक्त भी ऐसा अंदाजा हरगिज नहीं रहा होगा। लेकिन, इतना तो समझ आ रहा है कि अपनी दूसरी पारी में ट्रम्प दुनिया में सबसे अलग करने की नीयत से हर वो काम करने पर आमादा हैं जिससे उनकी चर्चा और धमक बनी रहे। हो सकता है कि वो ऐसा कुछ करें भी जिससे वो हीरो या विलेन कुछ तो बन जाएं। लेकिन लगता नहीं कि वो कभी अमेरीका के आदर्श राष्ट्र प्रमुखों में गिने जाएंगे!

उनका दर्द जब-तब उनके बयानों से झलकता भी है। शांति के नोबल पुरुस्कार की होड़ में मात खाने के बाद ट्रम्प एकाएक अशांतिपूर्ण हरकतों पर उतारू हो गए। उनकी टीस इसी बात से समझ आती है कि इस पुरुस्कार के लिए खुद अपनी पैरवी करने वाले ट्रम्प ने नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर को चिट्ठी लिख नोबेल नहीं मिलने की शिकायत तक कर दी। साथ ही यह भी लिखा कि कि 8 जंग रुकवाने के बावजूद उन्हें नोबेल नहीं मिला इसलिए उन्होंने अब शांति के बारे में सोचना छोड़ दिया है। शांति जरूरी है, लेकिन अब वह यह भी सोचेंगे कि अमेरिका के हित में क्या सही है। ग्रीनलैंड पर जबरन कब्जा की उनकी नीयत और कोशिशों की एक वजह नोबेल शांति पुरस्कार न मिलने की खीझ भी स्पष्ट समझ आती है। रूस और चीन के खतरे की दुहाई देकर ट्रम्प नाटो सदस्य डेनमार्क के ग्रीनलैंड को हथियाने का जो दंभ भर रहे हैं, उसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों और नाटो की एकता के साथ ही वैश्विक शांति के लिए गंभीर खतरा माना जा रहा है। ट्रम्प की जिद कहें या दादागिरी यह उनका दुनिया का तानाशाह बनने जैसा ही कदम कहलाएगा। देर-सबेर इसका खामियाजा अमेरीका ही भुगतेगा क्योंकि वैश्विक मंच पर दुनिया का दारोगा कहलाने वाले मजबूत देश की विश्वसनीयता कमेगी।

ग्रीनलैंड की जिद पर दुनिया भर में शांति के पक्षधर लोगों की समझाइश का भी ट्रम्प पर कोई असर न पड़ना मामले को गंभीर बनाता है। ग्रीनलैंड में 1979 से स्व-शासन है। उसकी विदेश और रक्षा नीति नाटो संगठन का सदस्य देश डेनमार्क देखता है। ग्रीनलैंड डेनमार्क का अर्ध-स्वायत्त भाग है। ग्रीनलैंड और डेनमार्क सरकारों ने भी हमेशा कहा है कि ग्रीनलैंड न कभी पहले बिकाऊ था न आज है। नाटो देश भी कभी नहीं चाहेंगे कि कोई दादागिरी कर कब्जा कर ले। खुद यूरोपीय देश फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी, स्वीडन, डेनमार्क और इटली ने भी ट्रम्प के बयान की आलोचना की है। इतना ही नहीं बल्कि सामूहिक तौर पर जवाब देने की बात भी कह ट्रम्प को चेताया तक है। इससे ट्रांसअटलांटिक संबंध भी कमजोर होंगे। ट्रम्प की नीयत तो अपने पहले ही कार्यकाल में ग्रीनलैंड को खरीदने की थी जो तब भी पूरी नहीं हो पाई। आठ यूरोपीय देशों डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड और फिनलैंड पर टैरिफ की धमकी को ये देश ट्रम्प का ब्लैकमेल, समझ से परे और अनुचित बता रहे हैं। ट्रम्प की हरकतों से यूरोप और अमेरिका के सुरक्षा सहयोग संगठन नाटो के भविष्य पर भी प्रश्न चिन्ह दिख रहा है। खुद 80 प्रतिशत अमरीकी भी नहीं चाहते कि ग्रीनलैंड अमेरिका का हिस्सा बने क्योंकि इससे नाटो में दो फाड़ होगी जिसका फायदा चीन और रूस जैसे अमेरिका विरोधियों को मिलेगा।

ऐसा भी नहीं है कि यूरोपीय संघ यानी ईयू ट्रम्प के लगाए गए टैरिफ का जवाब देने में पीछे है। ईयू 27 यूरोपीय देशों का राजनीतिक और आर्थिक संगठन है। इसमें ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बुल्गारिया, क्रोएशिया, साइप्रस, चेक गणराज्य, डेनमार्क, एस्टोनिया, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, हंगरी, आयरलैंड, इटली, लातविया, लिथुआनिया, लक्जमबर्ग, माल्टा, नीदरलैंड, पोलैंड, पुर्तगाल, रोमानिया, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, स्पेन और स्वीडन शामिल हैं। इन सभी देशों का रुख अमेरिका पर ट्रेड पाबंदियां लगाने का है जिस पर वो गंभीरता से विचार कर रहे हैं। जबकि इनका लक्ष्य सदस्य देशों के बीच शांति, समृद्धि और स्थिरता को बढ़ावा देना है। ऐसी स्थिति में नाटो देश भी अमेरिका की मुखालफत करेंगे। हालांकि ईयू एक खास कानूनी हथियार के इस्तेमाल की सोच रहा है, जिसे ट्रेड बाजूका' कहते हैं। इसका मकसद उन देशों के खिलाफ कड़ा कदम उठाना है, जो यूरोपीय देशों पर जबरदस्ती आर्थिक दबाव बनाने की कोशिश करते हैं। ईयू सांसद अमेरिका के साथ हुए ट्रेड एग्रीमेंट की मंजूरी रोकने की तैयारी में भी हैं। जाहिर है इससे दो पक्षीय नहीं बल्कि बहुपक्षीय तनाव बढ़ना ही है जिसमें अमेरिका के विरोध में कई होंगे। इन सबके लिए जिम्मेदार ट्रम्प ही होंगे।

ट्रम्प की मौजूदा सनक की वजह ग्रीनलैंड है जो सैन्य रणनीतिक लिहाज से बेहद खास है। यह उत्तर अमेरिका और यूरोप के मध्य अटलांटिक महासागर के बीचों-बीच होने से मिड-अटलांटिक क्षेत्र में है।

यहां से यूरोप और रूस के बीच सैन्य और मिसाइल निगरानी आसान है। हालांकि यहां अमेरिका का थुले एयर बेस पहले से है, जो मिसाइल चेतावनी और रूसी-चीनी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए जरूरी है। आर्कटिक क्षेत्र में रूस और चीन की गतिविधियां बढ़ने से चिंतित अमेरिका ग्रीनलैंड पर वर्चस्व पाकर भू-राजनीतिक पकड़ मजबूत करना चाहता है। दूसरी ओर ग्रीनलैंड में दुर्लभ खनिज, तेल, गैस और रेयर अर्थ एलिमेंट्स के बड़े भंडार हैं। ये भविष्य की विशाल आर्थिक और तकनीकी सम्पदा है। अभी चीन का इन उत्पादों पर 70 से 90 प्रतिशत नियंत्रण है। यह निर्भरता अमेरीका कम करना चाहता है। वही भूमंडलीय ऊष्मीकरण यानी ग्लोबल वार्मिंग के चलते आर्कटिक की बर्फ पिघल रही है, जिससे नए जलपोत मार्ग खुल रहे हैं। जब ग्रीनलैंड अमेरीका का होगा तो निश्चित तौर पर वह रूस-चीन की बढ़त रोकने में मददगार होगा। इसीलिए ट्रम्प ग्रीनलैंड को अमरीकी सुरक्षा का फ्रन्ट लाइन मानते हैं। अब ट्रम्प की नीयत चाहे जो वो उनका अंर्तमन ही जाने लेकिन क्या नोबल का शांति पुरुस्कार मिलता तो भी ट्रम्प ऐसा करते? अब यह ट्रम्प का बाल हठ है या राज हठ, वही जानें फिलाहाल ट्रम्प दुनिया में खुद को तमाशा जरूर बना रहे हैं। देखना उनका खेल कब तक चलेगा?

चिंतन

चिली के जंगलों में आग ने मचाई तबाही

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

चिली इस समय भयावह आपदा की चपेट में है। दक्षिण अमेरिकी देश चिली के जंगल में लगी आग की चपेट में आकर अब तक 19 लोगों की मौत हो चुकी है। चिली फिलहाल भीषण लू की चपेट में है। जंगल की आग ने तबाही मचा दी है, जिसके वजह से वहां इमरजेंसी की घोषणा करनी पड़ी है। अधिकारियों ने रविवार को इसकी पुष्टि की। आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चला है। आग की वजह से अब तक 50 हजार से ज्यादा लोगों को बेघर होना पड़ा है। कई कस्बों में घर, गाड़ियां और पूरी बस्तियां जलकर खाक हो गईं। आग न्युब्ले और बायोबियो इलाकों में फैली है, जो राजधानी सैंटियागो से करीब 500 किलोमीटर दक्षिण में हैं। तेज हवाओं के चलते लगातार दो दिनों से आग फैल रही है। करीब 4 हजार दमकलकर्मी आग बुझाने में लगे हैं। चिली हाल के वर्षों में बार-बार भीषण जंगल की आग झेल चुका है। इसे जलवायु परिवर्तन से जोड़कर देखा जा रहा है, जहां चरम मौसम, सूखा और बाढ़ की घटनाएं बढ़ी हैं। फरवरी 2024 में सैंटियागो के उत्तर-पश्चिम में स्थित विना डेल मार शहर के पास एक साथ कई आग लगी थीं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक हादसे में 138 लोगों की मौत हुई थी। उस समय करीब 16 हजार लोग प्रभावित हुए थे। आग की वजह से अब तक 50 हजार से ज्यादा लोगों को बेघर होना पड़ा है। कई कस्बों में घर, गाड़ियां और पूरी बस्तियां जलकर खाक हो गईं।

काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर के एक अध्ययन में बताया गया कि पिछले दो दशकों में जंगलों में आग के हादसों में दस गुना वृद्धि हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार जंगल में आग लगने के कई कारण होते हैं। इनमें गर्मी के अलावा ईंधन और ऑक्सीजन मुख्य कारक है। जंगल में पेड़ों के सूखे पत्ते और टहनियां ईंधन का काम करते हैं। एक छोटी सी चिंगारी हीट का काम करती है। ऐसे में अगर हवा तेज चल रही हो तो एक जगह लगी आग पूरे जंगल को तबाह करने के लिए काफी है। अगर गर्मियों का मौसम है, तो सूखा पड़ने पर ट्रेन के पहिए से निकली एक चिंगारी भी आग लगा सकती है। इसके अलावा कभी-कभी आग प्राकृतिक रूप से भी लग जाती है। ये आग ज्यादा गर्मी की वजह से या फिर बिजली कड़कने से लगती है। जंगलों में आग लगने की ज्यादातर घटनाएं इंसानों के कारण होती हैं, जैसे आगजनी, कैम्पफायर, बिना बुझी सिगरेट फेंकना, जलता हुआ कचरा छोड़ना, माचिस या ज्वलनशील चीजों से खेलना आदि। जंगलों में आग लगने के मुख्य कारण बारिश का कम होना, सूखे की स्थिति, गर्म हवा, ज्यादा तापमान भी हो सकते हैं। इन सभी कारणों से जंगलों में आग लग सकती है।

दरअसल जंगलों की आग से न केवल प्रकृति झुलसती है, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारे व्यवहार पर भी सवाल खड़ा होता है। गर्मियों के मौसम में जंगलों में आग लगने की घटनाएं अक्सर प्रकाश में आती रहती हैं। जंगलों में लगी आग से जान-माल के साथ-साथ पर्यावरण को भारी नुकसान होता है। पेड़-पौधों के साथ-साथ जीव-जन्तुओं की विभिन्न प्रजातियां जलकर राख हो जाती हैं। जंगलों में विभिन्न पेड़-पौधे और जीव-जन्तु मिलकर समृद्ध जैवविविधता की रचना करते हैं। पहाड़ों की यह समृद्ध जैवविविधता ही मैदानों के मौसम पर अपना प्रभाव डालती हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि ऐसी घटनाओं के इतिहास को देखते हुए भी कोई ठोस योजना नहीं बनाई जाती है।

जंगलों में यदि आग विकराल रूप धारण कर लेती है, तो उसे बुझाना आसान नहीं होता है। कई बार जंगल की आग के प्रति स्थानीय लोग भी उदासीन रहते हैं। दरअसल हमारे देश में ऐसी आग बुझाने की न तो कोई उन्नत तकनीक है और न ही कोई स्पष्ट कार्ययोजना। विदेशों में जंगल की आग बुझाने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य होता है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने जंगलों की आग पर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा था कि पर्यावरण मंत्रालय और अन्य प्राधिकरण वन क्षेत्र में आग लगने की घटना को हल्के में लेते हैं। जब भी ऐसी घटनाएं घटती हैं, तो किसी ठोस नीति की आवश्यकता महसूस की जाती है। लेकिन बाद में सब कुछ भुला दिया जाता है।

नजरिया

शांति का मुखौटा, सत्ता की रणनीति: ट्रंप का वैश्विक विरोधाभास

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

नोबेल शांति पुरस्कार की उत्कट अभिलाषा में डूबे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का व्यक्तित्व और कार्यशैली वैश्विक राजनीति के लिए एक गहरी विडंबना एवं विरोधाभास बनकर उभरी है। शांति का मसीहा बनने का उनका दावा जितना आकर्षक दिखता है, उतना ही विरोधाभासी उनके कदमों का यथार्थ है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में वे जहां शांति स्थापित करने का श्रेय लेना चाहते हैं, वहीं उनके निर्णय, वक्तव्य और नीतियां अक्सर युद्ध, अशांति, भय और अस्थिरता को जन्म देती दिखाई देती हैं। यह कैसी शांति है, जो बमों की गूंज, प्रतिबंधों की मार और नफरत की भाषा के साथ चलती है? यह कैसा शांति-दूत होने का नाटक है, जिसमें मानवता का रक्त बहता रहे और सत्ता अपने हित साधती रहे? गाजा में शांति स्थापना के लिए ट्रंप की प्रस्तावित योजना इसी विरोधाभास का नवीन उदाहरण है। इसे शांति से अधिक व्यापारिक सौदे की तरह प्रस्तुत किया गया, मानो दशकों से हिंसा, विस्थापन और अस्मिता के संकट से जूझ रहे लोगों का भविष्य किसी रियल एस्टेट या आर्थिक पैकेज से तय किया जा सकता हो। अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका, स्थानीय जनता की सहमति और जवाबदेही-इन सबको दरकिनार कर शांति थोपने की यह कोशिश बताती है कि ट्रंप की दृष्टि में शांति कोई नैतिक या मानवीय मूल्य नहीं, बल्कि शक्ति-प्रदर्शन और राजनीतिक लाभ का औजार है। इस तरह बमों के साये में शांति का दावा डकोसला ही है, जिसमें शांति का सौदा एवं सत्ता की भूख ही दिखती है। ट्रंप की कथित शांति योजना, शांति के नाम पर वर्चस्व की राजनीति ही है। ऐसा लगता है शब्द अहिंसा के और कर्म हिंसा के है। ट्रंप संयुक्त राष्ट्र को अक्षम, पक्षपाती और नौकरशाही से ग्रस्त बताकर उसकी अवहेलना करते रहे हैं, जबकि सच यह है कि वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए बहुपक्षीय संस्थाओं का ढांचा अनिवार्य है। शक्तिशाली देशों को जब यह ढांचा अपने अनुकूल नहीं लगता, तो वे उसे कमजोर करने लगते हैं-ट्रंप इसी प्रवृत्ति का मुखर चेहरा हैं।

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित नए वैश्विक शांति संस्थान का विचार अपने आप में जितना आकर्षक शब्दों से सुसज्जित है, उतना ही अपने अंतर्विरोधों में उलझा हुआ भी है। शांति स्थापना के नाम पर एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय संस्था खड़ी करने की कोशिश, जो संयुक्त राष्ट्र जैसे स्वीकृत बहुपक्षीय ढांचे को दरकिनार करती हो, वस्तुतः शांति से अधिक सत्ता-केंद्रित वर्चस्व की आकांक्षा को उजागर करती है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जिस नेतृत्व की नीतियों का आधार हथियारों के निर्माण और बिक्री, सैन्य गठबंधनों के विस्तार, युद्ध की धमकियों और आर्थिक दंड के जरिये दुनिया पर दबाव बनाना रहा हो, वह अचानक शांति का नया ठेकेदार कैसे बन सकता है? ट्रंप की राजनीतिक सोच में शांति किसी मानवीय प्रतिबद्धता का नहीं, बल्कि सौदेबाजी, नियंत्रण और लाभ का साधन प्रतीत होती है। इसलिए उनके प्रस्तावित शांति संस्थान की उपयोगिता पर गंभीर संदेह खड़ा होता है। बिना वैधता, जवाबदेही और वैश्विक सहमति के खड़ी की गई कोई भी संस्था शांति का वाहक नहीं बन सकती; वह केवल शक्तिशाली देशों की इच्छाओं को थोपने का उपकरण या जरिया ही बनती है। इस संदर्भ में ट्रंप का यह प्रयास शांति की दिशा में एक ठोस पहल नहीं, बल्कि हिंसा-प्रधान नीतियों पर पर्दा डालने और वैश्विक शासन व्यवस्था पर अपनी पकड़ मजबूत करने का एक और षडयंत्र एवं कुचेष्टा ही दिखाई देता है।

ट्रंप की सोच में शांति का अर्थ संघर्षों का समाधान नहीं, बल्कि उन्हें अपने पक्ष में मोड़ना है। कभी वे संयुक्त राष्ट्र के समानांतर इस तरह की एक कथित शांति-व्यवस्था खड़ी करने की बात करते हैं, तो कभी ईरान पर युद्ध की धमकी देते हैं। एक ओर वे यूरोपीय देशों की तारीफ कर अपना प्रभाव जमाने का प्रयास करते हैं, दूसरी ओर उन्हीं देशों पर व्यापारिक प्रतिबंधों और सैन्य खर्च का दबाव डालते हैं। यह दोहरा आचरण और कथनी और करनी का भेद वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाता है। शांति की भाषा बोलते हुए हथियारों की बिक्री, सैन्य गठबंधनों का विस्तार और आर्थिक दंड-ये सब उनकी नीतियों के अभिन्न अंग रहे हैं। परिणामस्वरूप दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां युद्ध की आहटें तेज हैं और मानवता अस्तित्व के मुहाने पर पहुंचती प्रतीत होती है। गाजा संकट के संदर्भ में यह और भी स्पष्ट हो जाता है कि बिना वैधता, सहमति और जवाबदेही के थोपी गई शांति कभी स्थायी नहीं होती। यदि नागरिकों की सुरक्षा, जीवन की गरिमा और राजनीतिक अधिकारों को नजरअंदाज किया जाए, तो कोई भी समझौता खोखला साबित होगा। ट्रंप का दृष्टिकोण इन मूलभूत सच्चाइयों को अक्सर अनदेखा करता है। आर्थिक वादों को राजनीतिक अधिकारों के विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना एक खतरनाक भ्रम है, जो जमीनी वास्तविकताओं के बोझ से ढह जाता है। शांति तभी टिकाऊ हो सकती है जब उसमें स्थानीय लोगों की वास्तविक आवाज शामिल हो, उनके दुख-दर्द को समझा जाए और न्यायपूर्ण समाधान की दिशा में ईमानदार पहल हो।

भारत को गाजा में शांति प्रयासों में शामिल करने का प्रस्ताव भी इसी जटिलता को उजागर करता है। भारत का कूटनीतिक इतिहास बहुपक्षवाद, संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका और द्विराष्ट्र सिद्धांत के समर्थन से जुड़ा रहा है। भारत के इस्राइल से अच्छे संबंध हैं, तो अरब देशों में भी उसकी विश्वसनीयता बनी हुई है। लेकिन यदि शांति प्रक्रिया संयुक्त राष्ट्र को दरकिनार करती है, तो यह भारत की स्थापित कूटनीतिक परंपरा के अनुकूल नहीं होगा। भारत ने हमेशा प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के बजाय स्थिरता और संवाद को प्राथमिकता दी है। ऐसे में ट्रंप-प्रेरित पहल में शामिल होना भारत के लिए भी एक नैतिक और रणनीतिक चुनौती बन सकता है। वास्तव में ट्रंप की नीतियां एक ऐसे विश्व-दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करती हैं, जहां शक्ति ही सत्य है और नैतिकता केवल भाषणों तक सीमित है। उनकी बयानबाजी में नफरत और विभाजन की छाया साफ दिखती है। आप्रवासन, नस्ल, धर्म और राष्ट्रवाद के मुद्दों पर उनकी भाषा ने वैश्विक स्तर पर असहिष्णुता को बढ़ावा दिया। जब विश्व का सबसे शक्तिशाली देश इस तरह का संदेश देता है, तो उसका असर सीमाओं से परे जाता है। युद्ध केवल गोलियों और मिसाइलों से नहीं लड़ा जाता, वह विचारों और शब्दों से भी लड़ा जाता हैकृऔर ट्रंप के शब्द अक्सर आग में घी डालने का काम करते रहे हैं।

आज दुनिया जिन संकटों से जूझ रही है-यूक्रेन से लेकर मध्य पूर्व तक, एशिया से अफ्रीका तक, उनमें कहीं-न-कहीं महाशक्तियों की स्वार्थपूर्ण नीतियों की छाया है। ट्रंप का दौर इस प्रवृत्ति को और उग्र बनाता दिखाई दिया, जहां वैश्विक सहयोग के बजाय मैं पहले' की मानसिकता हावी रही। शांति के नाम पर दबाव, सौदेबाजी और धमकी-यह त्रयी मानवता के लिए घातक है। जो नेता स्वयं को शांति का प्रतीक बताता है, उससे अपेक्षा होती है कि वह पुल बनाए, दीवारें नहीं; संवाद बढ़ाए, युद्ध नहीं; भरोसा पैदा करे, भय नहीं। इस तरह प्रश्न यही है कि क्या शांति पुरस्कार की आकांक्षा मात्र से कोई शांति-दूत बन सकता है? यदि जवाबदेही, सहमति और मानवीय मूल्यों के बिना शांति थोपने की कोशिश की जाए, तो वह शांति नहीं, एक नया संघर्ष जन्म देती है। ट्रंप की कार्यशैली इसी सच्चाई की गवाही देती है। आज जब मानवता युद्धों में अपने जीवन को खो रही है, तब शांति का ढोंग और भी क्रूर प्रतीत होता है। दुनिया को ऐसे नेतृत्व की जरूरत है जो शक्ति के प्रदर्शन से नहीं, बल्कि करुणा, न्याय और बहुपक्षीय सहयोग से शांति की राह प्रशस्त करे। अन्यथा शांति मसीहा होने का यह नाटक इतिहास में एक विफल और खतरनाक प्रयोग के रूप में ही दर्ज होगा।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पटना में 'मनोकामना सिद्ध पीठ' मंदिर से निकलने वाले जुलूस के दौरान आर्टिस्ट परफॉर्म करते हुए।

बड़ा स्टार बनने के लिए नहीं, आनंद के लिए फिल्मों में काम करना चाहता हूं: इमरान खान

मुंबई/भाषा। हैप्पी पटेल फिल्म में अतिथि भूमिका के जरिये बॉलीवुड में वापसी करने वाले अभिनेता इमरान खान ने कहा कि वह फिल्मी दुनिया से फिर से जुड़ने और आनंद के लिए वापस लौटे हैं।खान का कहना है कि बीते दो साल के दौरान उन्हें कई फिल्मों में काम करने की पेशकश की गई, लेकिन हैप्पी पटेल को छोड़कर कोई भी फिल्म ऐसी नहीं थी, जिसको लेकर उनमें दिलचस्पी जगी हो। यह डेल्ही बेली में साथ काम कर चुके वीर दास की निर्देशक के तौर पर पहली फिल्म है।आखिरी बार 2015 में फिल्म कट्टी बट्टी में नजर आए खान ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, 2023 के आखिर में, जब मैं वापसी करने और दुनिया से जुड़ने की शुरुआत कर रहा था तो लोग मेरे पास आने शुरु हुए।

पासपोर्ट कार्यालय को मिला क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार

इंदौर/बेंगलूरु/दक्षिण भारत। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, बेंगलूरु को 50 से ज्यादा कार्मिकों के केंद्रीय कार्यालयों के वर्ग ('ग' क्षेत्र) में प्रथम 'क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है। मध्य, पश्चिमी और दक्षिणी क्षेत्रों के संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने पुरस्कार प्रदान किया।

क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी अजित जॉन जोशुआ ने शील्ड ग्रहण की। वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी पी जीवदर्शन ने प्रमाण-पत्र प्राप्त किया। इस अवसर पर सांसद शंकर लालवानी, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राकेश सिंघई, शिक्षाविद् जेएल रेड्डी, नर्मदा प्रसाद, गृह मंत्रालय की सचिव (राजभाषा) अंशुली आर्या, संयुक्त सचिव (राजभाषा) डॉ. निधि पांडे मौजूद थे।

इम्तियाज अली ने रहमान का किया बचाव, कहा: उनके बयान को शायद गलत समझा गया

नई दिल्ली/भाषा। प्रसिद्ध फिल्मकार इम्तियाज अली ने बॉलीवुड में काम की कमी और इसके पीछे 'साम्प्रदायिक पहलू' होने संबंधी संगीतकार ए. आर. रहमान की टिप्पणियों को लेकर उठे विवाद के बीच उनका समर्थन करते हुए कहा है कि उनके बयान को शायद गलत समझा गया है।

ऑस्कर पुरस्कार विजेता संगीतकार ने हाल ही में 'बीबीसी एशियन नेटवर्क' को दिए एक साक्षात्कार में बताया कि हिंदी फिल्म उद्योग में उनके काम की मात्रा पिछले आठ वर्षों में कम हो गई है, और उन्होंने संकेत दिया कि यह संभवतः 'सांप्रदायिक पहलू' से जुड़ा हो सकता है। उन्होंने उद्योग की सत्ता संरचना में आए बदलावों की ओर भी इशारा किया और कहा कि रचनात्मक नियंत्रण कलाकारों के हाथ से निकल गया है।

उनकी टिप्पणियों ने ऑनलाइन और फिल्म उद्योग के भीतर एक बहस छेड़ दी, जिसमें आलोचकों ने उनके विचारों के आधार पर सवाल उठाए।

अली ने 'रॉकस्टार', 'हाईवे', 'तमाशा' और हाल ही में 'अमर सिंह चमकीला' जैसी फिल्मों के लिए रहमान के साथ काम किया है। उन्होंने कहा कि बॉलीवुड में उन्होंने कभी भी किसी तरह का सांप्रदायिक पूर्वाग्रह महसूस नहीं किया है।

फिल्मकार ने 'इंडिया टुडे' को बताया, नहीं, मुझे नहीं लगता कि फिल्म उद्योग में कोई सांप्रदायिक पूर्वाग्रह है। मैं यहां लंबे समय से हूं, और मैंने ऐसा कभी नहीं देखा है, और ए आर रहमान फिल्म उद्योग के उन सबसे प्रतिभाशाली व्यक्तियों में से एक हैं, जिनसे मैं मिला हूं। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि उन्होंने वह सब कहा, जो उनके नाम से जोड़ा जा रहा है, या हो सकता है कि उनका गलत अर्थ निकाला गया है। वास्तव में, मैं जानता हूँ कि उन्होंने बिल्कुल वैसा नहीं कहा, जैसा समझा जा रहा है। साथ ही, मुझे एक भी ऐसी घटना याद नहीं है, जिसमें सांप्रदायिक पूर्वाग्रह या द्वेष का कोई संकेत हो।

बीबीसी एशियन नेटवर्क के साथ एक साक्षात्कार में, रहमान से पूछा गया कि क्या उन्हें 1990 के दशक में अपने करियर की शुरुआत के दौरान हिंदी फिल्म उद्योग में किसी प्रकार के पक्षपात का सामना करना पड़ा था। उन्होंने जवाब दिया, हो सकता है कि मुझे इन सब बातों का पता न चला हो। हो सकता है कि भगवान ने इन सब बातों को छिपाकर रखा हो। लेकिन मुझे तो कभी इन सब बातों का एहसास नहीं हुआ, लेकिन पिछले आठ वर्षों में, शायद, क्योंकि सत्ता में बदलाव हुआ है। उन्होंने कहा, ''अब सत्ता उन लोगों के हाथ में है, जो रचनात्मक नहीं हैं, और यह शायद किसी साम्प्रदायिक पहलू से भी जुड़ा हो सकता है, लेकिन मेरे सामने नहीं। यह मुझे अफवाहों के रूप में पता चलता है कि उन्होंने आपको बुक किया था, लेकिन संगीत कंपनी ने अपने पांच संगीतकारों को काम पर रख लिया। मैंने कहा, 'ओह, यह तो बढ़िया है, मुझे आराम करने के लिए समय मिल गया है, मैं अपने परिवार के साथ वक्त बिता सकता हूँ।''

रहमान की टिप्पणियों की आलोचना करने वालों में अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत भी शामिल हैं, जिन्होंने उन्हें पूर्वाग्रही और घृणास्पद बताया।

प्रसिद्ध गीतकार और पटकथा लेखक जावेद अख्तर ने कहा कि वह सांप्रदायिक पूर्वाग्रह के सुझाव से असहमत हैं। अख्तर ने कई फिल्मों में रहमान के साथ काम किया है।

इस मुद्दे पर बहस तेज होने के बाद रहमान ने रविवार को सोशल मीडिया पर स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि उनकी टिप्पणियों को गलत समझा गया और उनका इरादा कभी भी किसी को ठेस पहुंचाने का नहीं था। उन्होंने कहा, भारत मेरी प्रेरणा, मेरा गुरु और मेरा घर है। मैं समझता हूं कि कभी-कभी इरादों को गलत समझा जा सकता है। लेकिन मेरा उद्देश्य हमेशा संगीत के माध्यम से लोगों का उत्थान, सम्मान देना और सेवा करना रहा है।

अजय देवगन की 'बाल तन्हाजी' की पहली झलक ने बढ़ाया उत्साह

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने अपनी नई प्रोडक्शन कंपनी लेंस वॉल्ट स्टूडियोज़ के बैनर तले बनी पहली एआई जनरेटिव फिल्म 'बाल तन्हाजी' से पर्दा उठा दिया है।

फिल्म का टीज़र यूट्यूब पर रिलीज़ कर दिया गया है, जिसने उनकी 2020 की सुपरहिट फिल्म 'तान्हाजी: द अनसंग वॉरियर' की यादें ताज़ा कर दी हैं। इस प्रोजेक्ट के ज़रिए मेकर्स ने 'तान्हाजी' फ्रैंचाइज़ी को एक नए और तकनीकी रूप में आगे बढ़ाने की कोशिश की है।

'बाल तन्हाजी' को पूरी तरह एआई-आधारित कहानी के रूप में तैयार किया गया है, जो इसे बाकी ऐतिहासिक फिल्मों से अलग बनाती है। टीज़र शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, महान योद्धा गौरवशाली जीवन में जन्म नहीं लेते, वे मौन में गढ़े जाते हैं। अनगिनत वर्षों में एक योद्धा का निर्माण होता है। बाल तन्हाजी एक एआई-आधारित शानदार रचना। टीज़र में मुगल शासकों और सूबेदार तान्हाजी मालुसरे के बीच की ऐतिहासिक लड़ाइयों की झलक दिखाई गई है।

टीज़र के दमदार विजुअल्स और भव्य प्रस्तुति दर्शकों की उत्सुकता को बढ़ा रहे हैं। हालांकि, फिलहाल फिल्म की रिलीज़ डेट को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन एआई तकनीक के साथ ऐतिहासिक गाथा को पेश करने की यह अनोखी पहल अजय देवगन के प्रोडक्शन हाउस के लिए एक बड़ा और खास कदम मानी जा रही है।

बांग्लादेश में हथियार लूटे जाने के कारण चुनावी हिंसा की आशंका बढ़ गई है : विशेषज्ञ

नई दिल्ली/ढाका/भाषा। बांग्लादेश में 2024 की हिंसा के दौरान लूटे गए लगभग 15 प्रतिशत हथियारों और लगभग 30 प्रतिशत गोला-बारूद का अब तक अता-पता नहीं चल सका है, ऐसे में सुरक्षा विशेषज्ञों ने वहां चुनावों से पहले हिंसा की घटनाएं बढ़ने की आशंका को लेकर चिंता जताई है।

समाचार पोर्टल 'टीबीएसन्यूज डॉट नेट' ने मंगलवार को बताया कि जुलाई-अगस्त 2024 में हुए विद्रोह के दौरान कानून प्रवर्तन प्रतिष्ठानों पर व्यापक हमलों के बाद बांग्लादेश में पुलिस थानों, चौकियों, वाहनों और हवालातों से 5,753 हथियार तथा लगभग 6,51,609 गोला-बारूद लूट लिए गए। इस विद्रोह के कारण शेख हसीना सरकार भी गिर गई थी।

'इश्कां दे लेखे' मेरे लिए एक सपना है : ईशा मालवीय

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री ईशा मालवीय अब अपने करियर का एक नया और महत्वपूर्ण अध्याय शुरू करने जा रही हैं। लंबे समय तक अभिनय में मेहनत और तैयारी के बाद, वह अब बड़े पर्दे पर कदम रख रही हैं और अपनी पहली पंजाबी फिल्म 'इश्कां दे लेखे' के जरिए दर्शकों से रूबरू होंगी। उनके लिए यह फिल्म केवल डेब्यू नहीं है, बल्कि उनका एक ऐसा सपना है जिसे उन्होंने हर दिन जिया है। ईशा ने कहा, यह फिल्म मेरे लिए शब्दों से ज्यादा मायने रखती है। कैमरे के सामने खड़े होना मेरे लिए भावुक भरा अनुभव रहा। यह फिल्म मेरे दिल के करीब है, और मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को भी वही प्यार और ईमानदारी महसूस होगी जो हमने इस फिल्म को बनाते समय महसूस की थी। यह फिल्म एक डेब्यू से कहीं ज्यादा है; यह एक सपना है जिसे मैंने हर दिन जिया है! इस फिल्म में पंजाबी सिनेमा के मशहूर अभिनेता गुरनाम भुल्लर मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। वहीं इस फिल्म का निर्देशन मनवीर बरार कर रहे हैं। इस फिल्म की कहानी जस्सी लोहका ने लिखी है।'इश्कां दे लेखे' एक रोमांटिक प्रेम कहानी है, जो 6 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।ईशा की बात करें तो, उन्होंने 13 साल की उम्र में मॉडलिंग शुरू की थी। साथ ही कई ब्यूटी पेजेंट में हिस्सा भी लिया था। साल 2021 में टेलीविजन शो 'उड़ारियां' से अभिनय की शुरुआत की थी, जिसमें उन्होंने जैस्मीन का किरदार निभाया था। इस शो में उनके साथ अभिनेता अंकित गुप्ता और प्रियंका चाहर चौधरी भी मुख्य भूमिकाओं में थे।इसके बाद ईशा को साल 2023 में सलमान खान के होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो 'बिग बॉस' के 17वें सीजन में देखा गया। अभिनेत्री 'पांव की जुत्ती,' 'पांव की जुत्ती,' और 'शेकी शेकी' जैसे म्यूजिक वीडियो से लोकप्रियता हासिल कर चुकीं हैं। वह 'लवली लोला,' 'पति पत्नी और पंगा,' और 'लाफ्टर शेफ्स' में नजर आईं।

रैली

कोलकाता में मंगलवार को टीएमसी लीडर नयना बंद्योपाध्याय पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले एक कैंपेन रैली के दौरान पार्टी सपोर्टर्स के साथ।

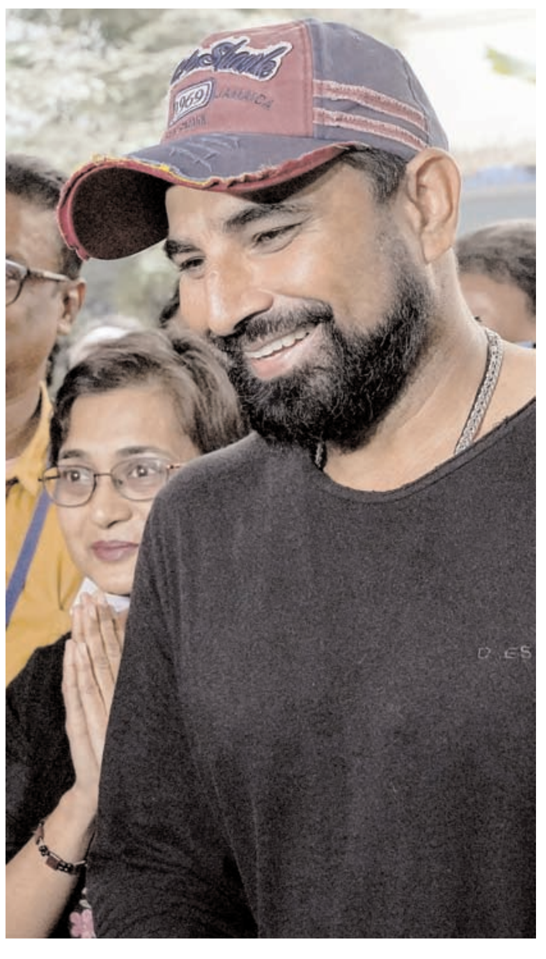

कोलकाता में मंगलवार को भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी वोटर लिस्ट के चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के तहत अपनी तय सुनवाई के लिए पोल अधिकारियों के सामने पेश होने के बाद मीडिया से बात करते हुए।

अनुपम खेर ने शेयर की 2016 की यादें, सतीश कौशिक को याद कर हुए भावुक

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जाने-माने और अनुभवी अभिनेता अनुपम खेर हमेशा अपने व्यक्तित्व और काम से लोगों के बीच चर्चा में रहते हैं। सोशल मीडिया पर वह अक्सर अपनी पुरानी यादें और खास पलों को फैंस के साथ साझा करते रहते हैं। इन दिनों पुराने पलों को याद करना और उनके फोटो शेयर करना एक ट्रेंड बन गया है, और अनुपम खेर भी इससे पीछे नहीं हैं। मंगलवार को उन्होंने 2016 की कुछ यादगार तस्वीरें पोस्ट कीं। इस पोस्ट में उनके साथ बॉलीवुड और हॉलीवुड के कई बड़े सितारे भी नजर आए। इन तस्वीरों में अनुपम खेर कई बॉलीवुड सितारों के साथ पोज देते हुए दिखे। सलमान खान, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, वरुण धवन और अर्जुन कपूर जैसे बड़े नाम उनके साथ तस्वीरों में दिखाई दिए। इसके अलावा, उन्होंने हॉलीवुड के मशहूर अभिनेता रॉबर्ट डी नीरो और जेरार्ड बटलर के साथ भी कुछ यादगार पल साझा किए।

इस पोस्ट में अनुपम खेर अपने परिवार के साथ भी नजर आए। उनकी मां दुलारी और अभिनेता भाई राजू खेर तस्वीरों में उनके साथ दिखे। लेकिन इन सभी तस्वीरों में फैंस का ध्यान एक तस्वीर पर गया, जिसमें अनुपम खेर अपने दोस्त सतीश कौशिक के साथ नजर आए। इस तस्वीर में उनके दोस्त और सह-कलाकार अनिल कपूर भी हैं। सतीश कौशिक का निधन मार्च 2023 में गुरुग्राम में दिल का दौरा पड़ने के चलते हुआ था। उन्होंने 66 साल की उम्र में आखिरी सांस ली थी।अनुपम खेर और सतीश कौशिक की दोस्ती लंबे समय तक रही। वह अक्सर दिवंगत अभिनेता के साथ फोटो साझा करते रहते हैं। पिछले साल अक्टूबर में, अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पर अपनी एक लंच पार्टी की झलक साझा की थी। इस मौके पर वह सतीश कौशिक की बेटी वंशिका के साथ नजर आए, और दोनों ने मिलकर कई गेम्स खेले। इस पोस्ट में उन्होंने बताया कि वंशिका को वीडियो बनाने के लिए पहले मनाना पड़ा, जिसके बाद वह इसके लिए राजी हुईं।

अक्षय कुमार के काफिले की कार के एक्सीडेंट का मामला, हिरासत में मर्सिडीज चालक

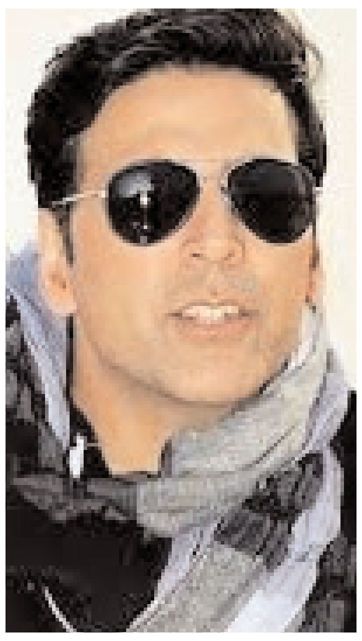

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई के जुहू इलाके में सोमवार रात बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार के काफिले में शामिल एक सिक्योरिटी वैन सड़क हादसे का शिकार हो गई। अक्षय और उनकी पत्नी ट्विंकल खन्ना एयरपोर्ट से घर लौट रहे थे, इस दौरान यह हादसा हुआ। गनीमत रही कि किसी की जान नहीं गई, लेकिन इस हादसे की चपेट में आए ऑटो रिक्शा चालक और उसके साथ बैठे एक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। जुहू पुलिस ने इस मामले में मर्सिडीज चालक राधेश्याम राय के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे हिरासत में लिया और बीएनएस की धारा के तहत केस दर्ज किया है।

हादसा तब हुआ जब तेज रफ्तार मर्सिडीज कार ने अक्षय कुमार की सिक्योरिटी इनोवा को टक्कर मार दी। इनोवा आगे बढ़ते हुए एक ऑटो रिक्शा से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो पलट गया और चालक व यात्री इसके नीचे फंस गए। स्थानीय लोग और सिक्योरिटी टीम ने तुरंत मदद की और घायलों को बाहर निकाला। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। ऑटो चालक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

ऑटो चालक के भाई मोहम्मद समीर ने बताया कि रात करीब 8 से 8.30 बजे उनका भाई रिक्शा चला रहा था। पीछे इनोवा और मर्सिडीज चल रही थीं। मर्सिडीज ने इनोवा को टक्कर मारी, जिससे इनोवा सीधे ऑटो से जा टकराई। उनका भाई और यात्री रिक्शा के नीचे फंस गए, और पूरा रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। उन्होंने अक्षय कुमार से गुहार लगाई कि उनके भाई का सही इलाज हो और रिक्शा के नुकसान का मुआवजा दिया जाए।

जुहू पुलिस ने इस मामले में मर्सिडीज चालक राधेश्याम राय के खिलाफ बीएनएस की धारा 281, 125(ए), और 125(बी) के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना चालक की लापरवाही के कारण हुई थी। 125(ए) और 125(बी) धाराएं आमतौर पर ऐसे मामलों में लागू होती हैं जहां वाहन चलाते समय सुरक्षा नियमों की अवहेलना की जाती है और इसके परिणामस्वरूप दूसरों को नुकसान होता है। धारा 281 तब लगती है जब कोई व्यक्ति सड़क पर लापरवाही से या तेजी से वाहन चलाता है और इससे किसी की जान को खतरा हो या चोट लगने की संभावना हो। इसकी सजा छह महीने तक जेल, या 1,000 रुपए तक जुर्माना, या दोनों हो सकती है। वहीं बीएनएस धारा 125 उन मामलों में लागू होती है जब किसी की लापरवाही से दूसरों की जान या सुरक्षा खतरे में पड़ती है। इसमें दो हिस्से हैं: 125(ए) अगर चोट लगी है तो छह महीने जेल या 5,000 रुपए जुर्माना, और 125(बी) गंभीर चोट पर तीन साल जेल या 10,000 रुपये जुर्माना। 281 मुख्य रूप से सड़क पर लापरवाही पर केंद्रित है, जबकि 125 लोगों की सुरक्षा को खतरे में डालने वाली हर लापरवाही पर लागू होती है। अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना ने इस पूरे मामले में अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

परेड

कुल्लू में मंगलवार को पारंपरिक कपड़े पहने महिलाएं कुल्लू जिले में मनाली विंटर कार्निवल 2026 के दौरान झांकी परेड में हिस्सा लेती हुई।

खुशियों की थाली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु के सदस्यों ने राष्ट्रीय प्रकल्प 'आनंद सबके लिए' के अंतर्गत खुशियों की थाली मासिक सेवा कार्यक्रम का आयोजन श्रीरामपुरा क्षेत्र के तीन अलग-अलग स्थानों पर किया। इस सेवा कार्य में करीब 1200 लोगों को अन्नदान किया गया। फॉर्च्यून मार्केटिंग सिंडिकेट के नथमल सेठिया के सौजन्य से आयोजित इस सेवा कार्य में उपाध्यक्ष गौरव शर्मा, पूर्व अध्यक्ष स्नेह जाजू, सचिव सनी जैन, गौरव रुंगटा, निखिल अग्रवाल, कुश अग्रवाल, अर्पित सेठिया, करण राजपुरोहित, गोविंद गुप्ता आदि ने सेवा प्रदान की।

भाजपा विधायक पर कुछ लोगों ने किया पत्थरों से हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धार/भाषा। मध्यप्रदेश के धार जिले में धरमपुरी विधानसभा सीट से भाजपा विधायक कालूसिंह ठाकुर पर उनके गांव में कुछ लोगों द्वारा पत्थरों से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। इस घटना में विधायक के सिर में चोट आई है।

पुलिस ने बताया कि धार मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूर सिरसोदिया गांव में विधायक ठाकुर अपने घर के समीप खेत पर चल रहे काम देखने गए थे। इसी दौरान पड़ोसियों ने उन पर पत्थरों से हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर धामनोद पुलिस मौके पर पहुंची और घायल विधायक को धामनोद के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

धामनोद थाने के उप निरीक्षक नारायण कटारे ने बताया कि विधायक की सिरसोदिया गांव में जमीन है, जहां काम चल रहा था। उसी समय पड़ोसियों ने पत्थरों से उन पर जानलेवा हमला किया। विधायक की शिकायत पर प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है।

कटारे के अनुसार, इस मामले में प्रिन्स उर्फ पिंटू, गेंदाबाई और रंजु गिरवाल के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। हालांकि अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

घटना के संबंध में विधायक कालूसिंह ठाकुर ने कहा कि वह अपने घर के पास खेत पर खड़े थे, तभी दो-तीन लोग आए और उन पर पत्थरों से हमला कर दिया, जिनमें एक-दो महिलाएं भी शामिल थीं। उन्होंने बताया कि हमलावरों को वह शक्ल से पहचान सकते हैं, लेकिन नाम नहीं जानते। विधायक ने यह भी कहा कि पहले भी उन पर गोली चलने की घटना हो चुकी है हालांकि उनकी किसी से व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है।

ज्ञान का दान सबसे महान योगदान : मुनि पुलकित कुमार

बेंगलूरु ज्ञानशाला की 200 प्रशिक्षिकाओं का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ सभा के तत्वाधान में मुनिश्री पुलकित कुमारजी के सान्निध्य में वर्ष 2024-25 के अंतर्गत ज्ञानशाला प्रकोष्ठ महासभा द्वारा पुरस्कृत होने पर बेंगलूरु स्तरीय तेरापंथ सभा द्वारा संचालित 32 ज्ञानशालाओं की 200 सेवारत प्रशिक्षिकाओं का सम्मान समारोह गांधीनगर तेरापंथ भवन में किया गया। अक्षत छाजेड़ को श्रेष्ठ ज्ञानार्थी, मंजू दक को श्रेष्ठ प्रशिक्षिका व कमाक्षीपाल्या को उत्तम ज्ञानशाला के लिए सम्मानित किया गया। स्नातक डिग्री धारकों में प्रीति पोखरना, रितु मुथा, कल्पना चोपड़ा, सुनीता सकलेचा को सम्मान दिया गया। सम्मान समारोह में शेषाद्रीपुरम, विल्सन गार्डन, टेनरी रोड शांति नगर, कोरमंगला, शंकर मठ, चामराजपेट, राजाजीनगर, कामाक्षीपाल्या, आरआर नगर, केंगेरी, महालक्ष्मी लेआउट, हनुमंत नगर, त्यागराज नगर, वीवी पुरम, जयनगर, पीएफसी कनकपुरा, एचएसआर लेआउट, बन्नरघट्टा रोड, मागड़ी रोड, टी दासरहली, ओकलीपुरम, बसवनगुड़ी, पार्क वेस्ट शापुरजी, शोभा इंद्रप्रस्थ ज्ञानशाला की प्रशिक्षिकाएं उपस्थित थीं। इस अवसर पर गांधीनगर में संचालित समण संस्कृति विभाग जैन विद्या के प्रशिक्षकों का भी सम्मान किया गया। मुनि पुलकित कुमारजी ने कहा कि ज्ञानशाला की प्रशिक्षिकाएं ज्ञान का दान करके महान निर्जरा कर रही हैं। तेरापंथ संघ में ज्ञानशाला का सुव्यवस्थित संचालन हो रहा है। इससे भावी पीढ़ी के संस्कारों का निर्माण सुगमता से आगे बढ़ रहा है। मुनिश्री ने सभा द्वारा संचालित इतने बड़े नेटवर्क की प्रशंसा करते हुए कहा कि गांधीनगर सभा संस्कारों को सुरक्षित रखने में महान योगदान कर रही है। शुभ भविष्य का निर्माण करने में अपना योगदान दे रही है। सभी पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाएं साधुवाद के पात्र हैं।

मुनि आदित्य कुमारजी ने गीत प्रस्तुत किया। क्षेत्रीय संयोजिका नीता गादिया ने विचार व्यक्त किए। संचालन बबीता चोपड़ा ने किया। इस मौके पर सभा के पदाधिकारी व अन्य संबंधित संस्थाओं के सदस्य उपस्थित थे। सुभाष पोखरना ने धन्यवाद दिया।

सीरवी समाज सरजापुर में माही बीज पर्व पर मनाया वार्षिक महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सीरवी समाज सरजापुर रोड ट्रस्ट द्वारा मंगलवार को अपनी स्थापना का पाँचवा वार्षिक महोत्सव एवं माही बीज कार्यक्रम हर्षोल्लास से मनाया गया। माही बीज की पूर्व संध्या पर आई माताजी के चित्र सम्मुख ज्योति का प्रज्वलन के साथ भजन संध्या का आयोजन हुआ। वहीं मंगलवार सुबह श्री आईमाता की शोभायात्रा निकाली गई। यात्रा में गैर नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। बच्चों द्वारा एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई।

अतिथियों का सम्मान किया गया। इस मौके पर अध्यक्ष गुणेशराम सीरवी, सचिव डूंगाराम पंवार सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

हैदराबाद: मंदिर को अपवित्र करने की घटना के बाद 11 लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद के एक मंदिर को अपवित्र करने की घटना के बाद कथित तौर पर गैरकानूनी रूप से इकट्ठा होने तथा सांप्रदायिक अशांति फैलाने के आरोप में 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि 15 जनवरी की रात को एक व्यक्ति ने यहां के पुरानापुल दरवाजा मैसम्मा मंदिर में प्रवेश किया और मंदिर के बरामदे में लगे एक फ्लेक्सी बैनर और प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्ति को आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया। संदिग्ध को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया।

इस घटना के बाद कुछ लोगों ने गैरकानूनी रूप से इकट्ठा होकर यहां पुरानापुल चिल्ला दरगाह में तोड़फोड़ की। दोनों घटनाओं के संबंध में मामले दर्ज किए गए हैं।

गहन चिन्तन ही व्यक्ति के आत्मोत्थान का मार्ग : साध्वीश्री भव्यगुणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के फ्रेजर टाउन में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि व्यक्ति का चिंतन जितना गहन होगा उतना ही उसका आत्मउत्थान होगा और वह प्रगति के मार्ग पर बढ़ेगा। अच्छे विचार व्यक्ति को उन्नति की तरफ, तो बुरे विचार व्यक्ति को पतन की राह पर ले जाते हैं। भारी आत्मा डूब जाती है जबकि हल्की आत्मा भवसागर से पार हो जाती है। ङ्गसाध्वी शीतलगुणाश्रीजी ने कहा कि केवल धर्मात्मा कहलाने से हम पुण्यार्जन नहीं कर सकते हैं। इसके लिए हमें स्वयं को धर्म से जुड़ना होगा। जिनवाणी सुनना एवं प्रवचन लाभ लेना भी धर्म से जुड़ने का माध्यम है। हम खुद को धर्मात्मा कहलाना तो पसंद करते हैं, लेकिन हमारे काम धर्म के अनुरूप नहीं होते है। उन्होंने कहा कि यदि हम वास्तविक धर्मात्मा बनकर संसार सागर से पार होना चाहते हैं तो हमें अपने जीवन में धर्म का समावेश करना होगा और हमारे कर्म ऐसे हों कि पाप का क्षय कर पुण्य का बंध करें। हमारे कर्म पाप बढ़ाने वाले हुए तो धर्म कभी नहीं हो सकता। भक्ति अगर भावपूर्वक होती है तो वह सार्थक होती है। भक्ति के माध्यम से परमात्मा से प्रार्थना करे तो वह कबूल हो जाती है लेकिन हम परमात्मा से विभिन्न तरह की याचना करें तो वह पूर्ण नहीं होगी। हम याचक नहीं बनकर परमात्मा का सच्चा भक्त बनना होगा। भक्ति सच्चे मन से हो सर्वसुख की प्राप्ति होती है।

'आनंदमय सामुदायिक कार्यक्रम' में जेपीपी महिलाओं ने लिया भाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जेपीपी जैन महिला फाउंडेशन एलएनपुरम द्वारा आनंदमय सामुदायिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बसवनगुड़ी, दोड़बल्लापुर, हलसूर एवं राजाजीनगर की सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम में महिलाओं के लिए अनेक मनोरंजक खेल तथा अन्य गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें सभी सदस्याओं ने उत्साह से भाग लिया। इसके साथ ही एक महत्वपूर्ण बैठक भी आयोजित की गई, जिससे आपसी एकता, सहयोग और सामाजिक समरसता को मजबूत करने के लिए अनेक विषयों पर चर्चा हुई तथा समाजहित में अनेक निर्णय लिए गए।

मंगलूरु के एक व्यक्ति से 1.38 करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक के मंगलूरु में एक व्यक्ति से शेयर बाजार में ऑनलाइन निवेश के नाम पर 1.38 करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया है, जिसमें ठगों ने व्हाट्सऐप के जरिए संपर्क कर अधिक लाभ देने का लालच दिया। पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत के मुताबिक, पीड़ित व्यक्ति को सबसे पहले 15 दिसंबर को एक अज्ञात नंबर से एक संदेश आया जिसमें कालीन और घर की साज सज्जा वस्तुओं के बारे में पूछा गया था। शिकायतकर्ता ने जब सजावटी उत्पादों के फोटो साझा किए तो बाद में बातचीत ऑनलाइन शेयर कारोबार की तरफ रुख कर गई।

पुलिस ने कहा कि ठगों ने पीड़ित व्यक्ति को 17 दिसंबर और 14 जनवरी के बीच लिंक भेजकर इन पर व्यक्तिगत विवरण डालने और विभिन्न बैंक खातों में 1,38,20,060 रुपये स्थानांतरित करने को कहा। यह धोखाधड़ी 15 जनवरी को तब उजागर हुई जब पीड़ित ने वादे के मुताबिक लाभ के साथ निवेश की गई रकम निकालने का प्रयास किया। इस चरण में धोखाधड़ी करने वालों ने सेवा कर के नाम पर अतिरिक्त भुगतान की मांग की जिससे शिकायतकर्ता को गड़बड़ी का संदेह हुआ। इसके बाद, पीड़ित ने मंगलूरु सीईएन पुलिस थाना से संपर्क किया और मामला दर्ज कराया। पुलिस आरोपियों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

बैलेट पेपर को लेकर विजयेन्द्र ने कांग्रेस को घेरा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने बुधवार को ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी (जीबीए) के चुनाव बैलेट पेपर से कराने के राज्य सरकार के फैसले की निंदा की। उन्होंने कहा, यह एक बहुत ही प्रतिगामी फैसला है। इस पिछड़ी सोच वाले फैसले से कांग्रेस ने साबित कर दिया है कि वह पुराने ज़माने में जी रही है, कांग्रेस का नेतृत्व प्रगति विरोधी और सुधार विरोधी है।

विजयेंद्र के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की शुरुआत चुनावी प्रणाली में सुधार की दिशा में एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी कदम था। यह प्रणाली फुल-प्रूफ साबित हुई है क्योंकि इसमें बूथ कैप्चरिंग या डुप्लीकेट वोटिंग जैसी गड़बड़ियों की कोई गुंजाइश नहीं है। चुनावी प्रक्रियाओं में सुधारों का उद्देश्य प्रणाली में सुधार करना और इसे अधिक स्वच्छ, मजबूत और जीवंत बनाना है। चुनावी प्रक्रिया में ईवीएम से मतदान कराने के बजाय, जो कि विकास का एक प्रगतिशील कदम है, कांग्रेस ने तकनीकी घड़ी को पीछे ले जाने का फैसला किया है। यह बहुत ही निंदनीय है। उन्होंने कहाकि कांग्रेस के बैलेट पेपर पर वापस लौटने का एकमात्र कारण यह है कि उसे लगता है कि वह ईवीएम से चुनाव हार जाएगी। लेकिन सच्चाई यह है कि कांग्रेस ने 2023 में ईवीएम प्रणाली से ही विधानसभा चुनावों में 136 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया था।

भाजपा अध्यक्ष विजयेन्द्र ने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी दोहरी मानदंड रखने वाली है। अगर वह चुनाव जीतती है - जैसे 2023 के विधानसभा चुनाव - तो वह ईवीएम के खिलाफ शिकायत नहीं करती, अगर कांग्रेस चुनाव हार जाती है तो वह ईवीएम के खिलाफ शिकायत करती है। इसे ही अवसरवादी कहा जाता है। कांग्रेस को अपना रुख हमेशा के लिए साफ करना चाहिए्। क्या वह ईवीएम के पक्ष में है या इसके खिलाफ है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा, कर्नाटक हमेशा तकनीकी क्रांति लाने वाले राज्य में अग्रणी रहा है, इस मामले में यह एक प्रगतिशील राज्य है। आई टी के सम्बंध में हम वैश्विक नेता हैं। अगर हम पिछड़े कदम उठाने और बैलेट पेपर के युग में वापस जाने का फैसला करते हैं, तो यह हमारे राज्य के लिए बहुत शर्म की बात है। उन्होंने यह भी कहा, चुनाव के नतीजे कई बातों पर निर्भर करते हैं, सिर्फ़ ईवीएम पर नहीं।

दपरे ने कर्मचारियों और यूनिटों को उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) ने मंगलवार को हुब्बल्ली स्थित चालुक्य रेलवे इंस्टीट्यूट में 70वां रेलवे सप्ताह मनाया, इस अवसर पर अपने कर्मचारियों और विभागों के उत्कृष्ट योगदान को पहचानते हुए उन्हें सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रिंसिपल चीफ पर्सनल ऑफिसर सूर्य प्रकाश के गर्मजोशी भरे स्वागत से हुई, जिन्होंने सकारात्मक और उत्सव के माहौल में दिन के समारोहों की शुरुआत की। दपरे के जनरल मैनेजर मुकुल सरन माथुर ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे और योग्य कर्मचारियों और यूनिटों को प्रतिष्ठित विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार (वीआरएसपी), रेल सेवा पुरस्कार (आरएसपी), मेरिट सर्टिफिकेट और दक्षता शील्ड प्रदान किए्।

इस अवसर पर, 41 रेलवे कर्मचारियों को विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जबकि 21 कर्मचारियों को वर्ष 2025 के लिए रेल सेवा पुरस्कार मिला। इसके अलावा, 31 कर्मचारियों को उनके अनुकरणीय प्रदर्शन और कर्तव्य के प्रति समर्पण के लिए मेरिट सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया। वर्ष 2024-25 के दौरान उनके सराहनीय प्रदर्शन के लिए विभिन्न विभागों, डिवीजनों, स्टेशनों और कार्यशालाओं को कुल 25 दक्षता शील्ड प्रदान किए गए।

अपने संबोधन में, दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक, मुकुल सरन माथुर ने सभी पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को बधाई दी और पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान जोन की महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने दपरे के कर्मचारियों के समर्पण, कड़ी मेहनत और अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की और उन्हें परिचालन उत्कृष्टता और बेहतर सेवा वितरण की दिशा में प्रयास जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस कार्यक्रम में हुब्बल्ली मंडल रेल प्रबंधक बेला मीना, बेंगलूरु मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह, मैसूरु मंडल रेल प्रबंधक मुदित मित्तल के साथ प्रमुख विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी, मान्यता प्राप्त ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधि, एसडब्ल्यूआर महिला कल्याण स ं ग ठ न (एसडब्ल्यूआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ) की अध्यक्ष संजीला माथुर, एआईएससीटीआरईए के सदस्य और बड़ी संख्या में दक्षिण पश्चिम रेलवे कर्मचारी उपस्थित थे।

मैसूरु के केआरएस रोड आईमाता बडेर में माही बीज पर्व संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। यहाँ की केआरएस रोड स्थित सीरवी समाज द्वारा 39वां माही बीज वार्षिक उत्सव मंगलवार के दिन हर्षोल्लास से मनाया गया। समाज के संस्थापक द्वारा दीप प्रज्वलित कर उत्सव का शुभारंभ किया। इस मौके पर माताजी की आरती के पश्चात विभिन्न प्रकार की बोलियाँ बोली गई जिसमें समाज के लोगो ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। मुख्य अतिथि के रूप में चामराजा क्षेत्र के विधायक हरीश गौड़ा उपस्थित थे जिन्होंने आईमाता प्रतिमा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। समाज की ओर से उनका सम्मान किया गया। गैर मंडल ने गैर नृत्य किया। रात्रि में रात्रि जागरण का आयोजन हुआ जिसमें संस्थापक सुराराम सोलंकी, मोटाराम सोलंकी, आईजी सेवा संघ के सचिव मोहनलाल चोयल, गैर मंडल के अध्यक्ष रूपाराम राठौड़, महिला मंडल की अध्यक्ष विमलादेवी गेहलोत, सचिव कमलादेवी बर्फ़ा सहित बड़ी संख्या में सदस्य लोग उपस्थित थे।

बेंगलूरु में 5.15 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ जब्त, एक विदेशी नागरिक गिरफ्तार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के बेंगलूरु में मंगलवार को अपराध नियंत्रण ब्यूरो (सीसीबी) की स्वापक रोधी शाखा ने 2.5 किलोग्राम 'एमडीएमए और 300 एक्स्टसी टैबलेट' जब्त की। पुलिस के मुताबिक, जब्त किये गये मादक पदार्थ की कीमत लगभग 5.15 करोड़ रुपये है। पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर शाखा ने एक अभियान चलाया और मराठाहल्ली थाना क्षेत्र के मुन्नेकोलाला इलाके में किराए के एक मकान से एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुलासा किया कि वह जिस मकान में रह रहा था, वहीं से मादक पदार्थों का व्यापार कर रहा था। पुलिस ने एक विज्ञप्ति में बताया, उसके पास से लगभग 2.5 किलोग्राम 'एमडीएमए और 300 एक्स्टसी टैबलेट' जब्त की गईं। जब्त किए गए मादक पदार्थों का कुल मूल्य लगभग 5.15 करोड़ रुपये है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ हेन्नूर और कडुगोडी थानों में पहले से ही मादक पदार्थों की तस्करी के दो मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि हाल ही में जेल से रिहा हुए आरोपी ने फिर से मादक पदार्थों की तस्करी शुरू कर दी थी। विज्ञप्ति में बताया गया कि मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान चलाने वाले अधिकारियों ने उसकी गतिविधियों पर नजर रखी और उसे मादक पदार्थों की तस्करी करते हुए गिरफ्तार कर लिया।

मुख्यमंत्री एन रंगासामी ने नितिन नबीन को बधाई दी

पुडुचेरी। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगासामी ने मंगलवार को नितिन नवीन को भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण करने पर बधाई दी। मुख्यमंत्री ने नवीन को लिखे पत्र में कहा, आपकी पदोन्नति आपके समर्पण और नेतृत्व गुणों को दर्शाती है, जो आपने अपने राजनीतिक जीवन में प्रदर्शित किए हैं। रंगासामी ने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि नवीन के मार्गदर्शन में राजग और मजबूत होगा तथा यह प्रतिबद्धता एवं ईमानदारी के साथ भारत की जनता की सेवा करेगा।

व्यापार, शुल्क युद्ध में किसी की जीत नहीं होती: विश्व आर्थिक मंच में चीन

दावोस/भाषा। वैश्विक अर्थव्यवस्था में अधिक सहयोग और संवाद का आह्वान करते हुए चीन ने मंगलवार को कहा कि व्यापार और शुल्क युद्ध में किसी की जीत नहीं होती है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक में यहां एक विशेष संबोधन के दौरान चीन के उप प्रधानमंत्री हे लिफेंग ने कहा, ''चीन दुनिया के लिए अपने दरवाजे और अधिक खोलेगा।'' उन्होंने कहा कि देश विशेष रूप से सेवा क्षेत्र में अपने बाजार का विस्तार करने की योजना बना रहा है। उन्होंने वैश्विक अर्थव्यवस्था में सहयोग और संवाद बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''हालांकि आर्थिक वैश्वीकरण पूरी तरह दोषमुक्त नहीं है, लेकिन देश इसे पूरी तरह से खारिज नहीं कर सकते और खुद को अलग-थलग नहीं कर सकते।'' लिफेंग ने चीन की आर्थिक प्रगति का विवरण देते हुए बताया कि देश ने विनिर्माण क्षमता को बनाए रखते हुए खपत को बढ़ावा देने के लिए 2026 के अपने आर्थिक एजेंडे में घरेलू मांग को सबसे ऊपर रखा है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**